TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 313
बुधवार, 03 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

महाराष्ट्र सरकार की अन्नदाताओं को बड़ी सौगात, दो लाख तक की कर्जमाफी को मंजूरी

मुंबई, 02 जून। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में किसानों के हित में एक बड़ा कदम उठाते हुए पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर शेतकरी कर्जमाफी योजना को हरी झंडी दिखा दी गई। इस योजना के अंतर्गत राज्य के संकटग्रस्त किसानों का दो लाख रुपये तक का कृषि ऋण पूरी तरह माफ किया जाएगा।

सरकार के इस फैसले से राज्य के लगभग 56 लाख किसानों को सीधे तौर पर कर्ज के बोझ से मुक्ति मिलेगी। मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार, इस कर्ज माफी योजना का लाभ केवल उन किसानों को मिलेगा जिनका कृषि ऋण 30 सितंबर, 2025 तक बकाया है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह एक पारदर्शी और व्यापक योजना है, जिसमें किसी भी प्रकार के अनुचित प्रतिबंध नहीं लगाए गए हैं।

इसके अतिरिक्त वित्तीय अनुशासन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ने एक और बड़ा एलान किया है। जो किसान ईमानदारी से अपने ऋण की किस्तें समय पर चुकाते रहे हैं और डिफाल्टर नहीं हैं, उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। सरकार ऐसे नियमित कर्जदाता किसानों को 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित करेगी।

किसानों को दी गई इस कर्जमाफी से महाराष्ट्र सरकार के बजट और राजकीय तिजोरी पर 36,585 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा पूर्व में पेश किए गए 7.69 लाख करोड़ के वार्षिक बजट (2026-27) में ही इस योजना का वित्तीय खाका तैयार कर लिया गया था।

हालांकि, इतनी बड़ी राशि के आवंटन से राज्य के बजट पर दबाव बढ़ेगा, लेकिन सरकार ने बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण के कार्यक्रमों के साथ ही किसानों को राहत देना अपनी शीर्ष प्राथमिकता माना है। यह कर्ज माफी कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं है, बल्कि भाजपा के नेतृत्व वाले 'महायुति' गठबंधन द्वारा विधानसभा चुनाव से पहले जनता से किया गया एक प्रमुख और बड़ा चुनावी वादा था।

चुनाव जीतने के बाद से ही सरकार इस योजना को लागू करने की तैयारी में जुटी हुई थी। मुख्यमंत्री ने हाल ही में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के साथ बैठक कर स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी पात्र किसानों की कर्जमाफी की प्रक्रिया आगामी 30 जून से पहले हर हाल में पूरी की जाए, ताकि खरीफ सीजन की शुरूआत से पहले किसान नए सिरे से फसलों के लिए ऋण प्राप्त कर सकें।

मंत्रिमंडल की बैठक में प्रस्ताव पर मुहर लगने के बावजूद सरकार की तरफ से अभी इसकी औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। दरअसल, राज्य में वर्तमान में विधान परिषद चुनावों के चलते आदर्श आचार संहिता लागू है। इस कारण कैबिनेट के इस बड़े फैसले की कोई औपचारिक या आधिकारिक सार्वजनिक घोषणा फिलहाल टाल दी गई है।

सूत्रों का कहना है कि आचार संहिता समाप्त होते ही सहकारिता विभाग द्वारा इस योजना के विस्तृत नियम-शर्तें और क्रियान्वयन का परिपत्रक (जीआर) आधिकारिक तौर पर जारी कर दिया जाएगा, जिससे किसानों को मानसून से ठीक पहले बड़ी राहत मिल सकेगी।

15 आईएएस अधिकारियों पर मंडराया खतरा, टेंडर घोटाले में बड़ा हुआ खुलासा

पटना, 02 जून। बिहार के बहुचर्चित टेंडर घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दो आईएएस अधिकारियों के निलंबन के बाद अब 15 अन्य वरिष्ठ आईएएस अधिकारी जांच में दायरे में हैं। मामले के मुख्य आरोपी रिशु रंजन सिन्हा उर्फ रिशु श्री ने पूछताछ के दौरान रश्व और एऊ के सामने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं, जिसके बाद प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है।

जांच में सामने आया है कि रिशु श्री ने अधिकारियों और राजनेताओं का एक मजबूत सिंडिकेट तैयार कर रखा था। जब ईडी ने रिशु श्री के ठिकानों पर छापेमारी की तो एक 'सीक्रेट डायरी' बरामद हुई, जिसमें अधिकारियों के सीधे नाम न लिखकर उनके विभागों के आगे 'M1' और 'M2' जैसे कोड वर्ड लिखे गए हैं। बड़ी बात यह है कि इन कोड्स के आगे करोड़ों रुपए के लेन-देन और महंगे तोहफों का हिसाब-किताब लिखा गया है।

एऊ के मुताबिक, रिशु श्री बढ़े हुए बिलों के एवज में 10% कमीशन वसूलता था, जिसमें से 2% से 3.5% तक का हिस्सा सीधे वरिष्ठ अधिकारियों की जेब में जाता था। इतना ही नहीं, रिशु श्री कुछ अधिकारियों और नेताओं के लिए महिलाओं की व्यवस्था भी करता था। जांच में यह भी सामने आया है कि रिश्वत की रकम को पूरी तरह सफेद करने के लिए बड़ा खेल चल रहा था। रिशु श्री रिश्वत के पैसों को सामान्य कारोबारी लेन-देन दिखाने के लिए अधिकारियों की सांठगांठ कुछ बड़े व्यापारियों से कराता था।

फिलहाल, रश्व और एऊरिशु श्री की डायरी के कोड वर्ड्स को डिकोड करने और बेनामी कंपनियों के वित्तीय स्रोतों को खंगालने में जुटी हैं। साथ ही मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। माना जा रहा है कि इसके बाद कई बड़े चेहरे बेनकाब हो सकते हैं।

बीजेपी से के. अन्नामलाई ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 02 जून। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात के दौरान पार्टी से अपना इस्तीफा सौंप दिया। उनके दोपहर 4 बजे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने की उम्मीद है। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष पद से नैनार नागेंद्रन द्वारा प्रतिस्थापित किए जाने के बाद से ही लो प्रोफाइल रहे अन्नामलाई के पार्टी से अलग होने की अटकलें तेज थीं। खबरों में यह भी कहा गया था कि उन्हें भाजपा में अपना कोई भविष्य नजर नहीं आ रहा है।

नितिन नबीन और संगठन सचिव बीएल संतोष के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान, अन्नामलाई ने कथित तौर पर सौहार्दपूर्ण शर्तों पर पार्टी से अलग होने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से कहा कि वह अब अपना रास्ता खुद तय करना चाहते हैं। हालांकि, भाजपा नेतृत्व पूर्व आईपीएस अधिकारी को पार्टी में बनाए रखने के प्रयासों पर विचार कर रहा है और उनके लिए राष्ट्रीय भूमिका की संभावना बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार, अन्नामलाई को अगले निर्देश तक दिल्ली न छोड़ने के लिए कहा गया है।

अभिनेता से राजनेता बने विजय के बड़े पर्दे से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनने तक के शानदार उदय के बाद, अन्नामलाई का भाजपा से अलग होना राज्य में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव लाएगा। अन्नामलाई के करीबी सूत्रों के अनुसार, उनका मानना है कि अभिनेता विजय के राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरने के बाद तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। चचाओं से अवगत एक सूत्र ने बताया कि आज विजय का मुकाबला करने वाला कोई नेता नहीं है। द्रविड़ युग का अंत हो चुका है। केवल भाषा के मुद्दों पर केंद्रित राजनीति अब नहीं चलेगी। राज्य की राजनीति बदल चुकी है।

जकार्ता में भीषण आग ने मचाई तबाही; बाजार में 300 से ज्यादा इमारतें राख, बेघर हो गए सैंकड़ों परिवार

जकार्ता, 02 जून। इंडोनेशिया की राजधानी एवं सबसे बड़े नगर जकार्ता के मध्य क्षेत्र केमायोरन स्थित जिउंग मार्केट में सोमवार रात लगी भीषण आग ने सैकड़ों परिवारों की जिंदगी को प्रभावित कर दिया। आग इतनी भयावह थी कि इसे पूरी तरह बुझाने में दमकल विभाग को सात घंटे से अधिक का समय लगा। उप-गवर्नर Rano Karno के अनुसार, प्रारंभिक आकलन में करीब 304 इमारतें आग की चपेट में आईं। इस हादसे से 354 परिवारों के कुल 679 लोग प्रभावित हुए हैं। प्रभावित लोगों में 326 पुरुष और 353 महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा 35 बुजुर्ग, 90 छोटे बच्चे, 53 प्राथमिक स्कूल के छात्र, 6 जूनियर हाई स्कूल के छात्र और 22 व्यावसायिक स्कूल के छात्र भी प्रभावित हुए हैं। कई गर्भवती महिलाएं भी इस आपदा से प्रभावित हुई हैं।

आग पर काबू पाने के लिए 35 दमकल गाड़ियां और 175 अग्निशमन कर्मियों को मौके पर भेजा गया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पूरा इलाका धुएं से भर गया और कई इमारतें देखते ही देखते राख में बदल गईं। 60 वर्षीय स्थानीय फेरीवाले हापिल ने बताया कि जब आग लगी तब वह काम में व्यस्त थे। उन्होंने कहा, ३मेरे बेटे ने बताया कि किराए के एक घर में आग लग गई है। मुझे कुछ भी बचाने का मौका नहीं मिला। मैं अभी भी वही कपड़े पहने हुए हूं जो कल रात पहने थे। हापिल पिछले 30 वर्षों से उसी इलाके में रह रहे थे और काम कर रहे थे। 40 वर्षीय निवासी इस्ती ने बताया कि उन्हें आग लगने के कारण का पता नहीं चला, लेकिन जब पूरे इलाके में घना धुआं फैलने लगा तो उन्हें स्थिति की गंभीरता का एहसास हुआ।

स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को सार्वजनिक आवासीय अपार्टमेंट में स्थानांतरित करने की पेशकश की, लेकिन अधिकांश निवासियों ने इसे अस्वीकार कर दिया। उनका कहना है कि वे वर्षों से इसी समुदाय में रह रहे थे और अपनी बस्ती छोड़ना नहीं चाहते। उप-गवर्नर रानो कार्नो ने बताया कि जकार्ता में होने वाली लगभग 95 प्रतिशत आग की घटनाओं के पीछे बिजली के शॉर्ट सर्किट को जिम्मेदार माना जाता है। हालांकि इस आग के वास्तविक कारण की जांच अभी जारी है।

केजरीवाल का सरकार पर बड़ा हमला

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा सरकार पर तब हमला बोला जब उनके पार्टी नेता ने आरोप लगाया कि प्रयागराज में उत्तर प्रदेश पुलिस और सरकारी अधिकारियों ने छात्रों के साथ पेपर लीक मामले पर उनकी चर्चा को बाधित किया। संजय सिंह की पोस्ट को साझा करते हुए केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह पेपर लीक जैसी समस्याओं को सुलझाने में कोई कार्रवाई नहीं करती, बल्कि इस पर चर्चा को रोकने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा को पेपर लीक से कोई समस्या नहीं है। समस्या पेपर लीक पर हो रही चर्चा से है। यह घटना संजय सिंह द्वारा सोमवार को लगाए गए आरोपों के बाद सामने आई है। संजय सिंह ने आरोप लगाया था कि प्रयागराज में उत्तर प्रदेश पुलिस और सरकारी अधिकारियों ने पेपर लीक के मुद्दे पर छात्रों से उनकी बातचीत को रोकने की कोशिश की।

ट्रंप के दावों को नेतन्याहू ने दिखाया ठेंगा: इजराइल ने लेबनान पर बरसाए ड्रोन, 8 लोगों की मौत

इजराइल, 02 जून। दक्षिणी लेबनान में मंगलवार को इजराइल के ड्रोन हमलों में आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में एक व्यक्ति और उसका पुत्र व पुत्री शामिल हैं। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक दिन पहले कहा था कि इजराइल और हिजबुल्ला तनाव कम करने पर सहमत हो गए हैं। इजराइल ने सोमवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर हमला करने की धमकी दी, जिससे लेबनान की राजधानी में दहशत फैल गई और हजारों लोग सुरक्षित क्षेत्रों की ओर जाने लगे। जवाब में हिजबुल्ला ने उत्तरी इजराइल पर कई रॉकेट दागे। इसके बाद ट्रंप ने इजराल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की और मध्यस्थों के जरिये लेबनानी उग्रवादी समूह हिजबुल्ला के पदाधिकारियों से भी संपर्क साधा। उन्होंने घोषणा की कि बेरुत में कोई सेना नहीं भेजी जाएगी। लेबनान की सरकारी 'नेशनल न्यूज एजेंसी' ने मंगलवार को प्रसारित खबर में कहा कि इजराइली ड्रोन ने मरजायौन कस्बे को नबातीयेह शहर से जोड़ने वाली सड़क पर खड़ी एक कार पर निशाना साधा, जिससे ईसाई बहुल शहर कलाया के रहने वाले एक डेंटिस्ट जेम्स कैरम और उनके पुत्र व पुत्री की मौत हो गई। लेबनानी सेना ने कहा कि नबातीयेह के बाहर हुए एक अन्य ड्रोन हमले में दो सैनिक मामूली रूप से घायल हो गए। 'नेशनल न्यूज एजेंसी' की खबर के मुताबिक, जिबचित गांव में हुए ड्रोन हमले में एक पौधशाला में काम करने वाले दो सीरियाई नागरिक मारे गए।

लापता की तलाश

सुमन पुल्लूर प्रजापति माताजी
उम्र – 67 वर्ष
दहिसर (पूर्व), मुंबई
दिनॉक 23/05/2026
समय शाम 8 बजे से लापता है।
यदि आपको इनका कोई पता चले तो
कृपया तुरंत संपर्क करें
संपर्क – प्रदीप प्रजापति
मो. 8097426628
Dhan Nirankarji &
7977197822
9004316000
9768921570
9967816563
9867822957
7738476001
संपर्क – प्रजापति माताजी परिवार
7977197822
9004316000
9768921570
9967816563
9867822957
7738476001
आपकी छोटी सी जानकारी किसी अपने को घर वापस ला सकती है।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW: 7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

विश्व साइकिल दिवस, 3 जून 2026 पर विशेष

स्वस्थ जीवन एवं स्वस्थ पर्यावरण का आधार है साइकिल

-ललित गर्ग

हर वर्ष 3 जून को मनाया जाने वाला विश्व साइकिल दिवस केवल एक साधारण वाहन के सम्मान का अवसर नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समानता और सतत विकास के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, बढ़ती बीमारियों और यातायात संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब साइकिल एक ऐसे सरल समाधान के रूप में उभरती है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र-तीनों के लिए समान रूप से लाभकारी है। विश्व साइकिल दिवस 2026 की थीम हरियाली भरे भविष्य के लिए साइकिल चलाना (Cycling for a Greener Future) अत्यंत सार्थक और समयानुकूल है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि यदि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी छोड़नी है, तो हमें अपने परिवहन के तौर-तरीकों में बदलाव लाना होगा और साइकिल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। साइकिल मानव सभ्यता के उन आविष्कारों में से एक है जिसने दो शताब्दियों से अधिक समय तक अपनी उपयोगिता बनाए रखी है। तकनीकी क्रांति के इस युग में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है, बल्कि नई चुनौतियों के बीच इसका महत्व और बढ़ गया है। यह एक ऐसा वाहन है जो बिना पेट्रोल, डीजल या बिजली के चलता है, न कोई धुआं छोड़ता है और न ही पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2018 में इसे वैश्विक स्तर पर मान्यता देते हुए विश्व साइकिल दिवस घोषित किया। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएँ तो बहुत दी हैं, लेकिन इसके साथ अनेक स्वास्थ्य समस्याएँ भी पैदा कर दी हैं। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, शारीरिक श्रम का अभाव, वाहन-निर्भरता और तनावपूर्ण जीवन ने मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग तथा मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं को बढ़ा दिया है। ऐसे समय में साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि एक प्रभावी स्वास्थ्य-सहचर बनकर सामने आती है। चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम है। इससे हृदय मजबूत होता है, रक्त संचार बेहतर होता है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और शरीर की अतिरिक्त कैलोरी खर्च होती है। साइकिल चलाने से मांसपेशियाँ सुदृढ़ होती हैं तथा जोड़ों पर अत्यधिक दबाव भी नहीं पड़ता, इसलिए यह सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयुक्त व्यायाम माना जाता है। विशेष रूप से मधुमेह, मोटापा और हृदय रोगों से बचाव में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी साइकिल अत्यंत लाभकारी है। आज तनाव, चिंता और अवसाद वैश्विक समस्याएँ बन चुके हैं। खुली हवा में साइकिल चलाने से मन प्रसन्न होता है, तनाव हार्मोन कम होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यक्ति को प्रकृति के निकट लाती है तथा जीवन में संतुलन और आनंद की अनुभूति कराती है। वास्तव में साइकिल चलाना शरीर और मन दोनों का एक साथ व्यायाम है।

पर्यावरणीय दृष्टि से साइकिल का महत्व और भी अधिक है। विश्व के बड़े शहर बढ़ते प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से त्रस्त हैं। मोटर वाहनों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण है, जो न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। साइकिल शून्य-उत्सर्जन वाला वाहन है। यदि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए लोग मोटरसाइकिल और कार के स्थान पर साइकिल का उपयोग करें, तो कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। यह जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किया जाने वाला सबसे सरल और प्रभावी प्रयास है। सामाजिक दृष्टि से भी साइकिल समानता और समावेशिता का प्रतीक है। यह अमीर और गरीब, दोनों के लिए समान रूप से उपयोगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लाखों लोग शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने के लिए साइकिल पर निर्भर हैं। कम आय वाले परिवारों के लिए यह सबसे सुलभ और किफायती परिवहन साधन है। साइकिल सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाती है और अवसरों तक पहुँच आसान बनाती है।

भारत जैसे विकासशील देश के लिए साइकिल का महत्व विशेष रूप से अधिक है। एक ओर देश ऊर्जा आयात पर भारी खर्च करता है, दूसरी ओर महानगरों में यातायात और प्रदूषण गंभीर समस्या बन चुके हैं। यदि साइकिल संस्कृति को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए तो ईंधन की बचत होगी, विदेशी मुद्रा का संरक्षण होगा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च भी कम होगा। स्वस्थ नागरिक किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। विडंबना यह है कि भारत में कभी साइकिल आम जनजीवन का अभिन्न हिस्सा थी, लेकिन उपभोक्तावादी संस्कृति और मोटर वाहनों की बढ़ती प्रतिष्ठा ने इसे पीछे धकेल दिया। आज अनेक लोग साइकिल को केवल गरीबों का वाहन मानते हैं, जबकि विकसित देशों में साइकिल प्रतिष्ठा, स्वास्थ्य चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रतीक बन चुकी है। नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी जैसे देशों ने साइकिल को शहरी जीवन का केंद्र बनाया है। वहाँ अलग साइकिल लेन, सुरक्षित मार्ग और अनुकूल नीतियाँ उपलब्ध हैं। भारत को भी इस दिशा में गंभीर पहल करनी होगी।

समय की माँग है कि साइकिल को केवल खेल या मनोरंजन का साधन न मानकर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग बनाया जाए। शहरों में सुरक्षित साइकिल ट्रैक, सार्वजनिक साइकिल शेयरिंग सिस्टम, कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में साइकिल उपयोग को प्रोत्साहन तथा सरकारी स्तर पर प्रोत्साहन योजनाएँ विकसित की जानी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में साइकिल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए तथा लोगों को इसके स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय लाभों के प्रति जागरूक किया जाए। विश्व साइकिल दिवस मनाने का उद्देश्य भी यही है कि समाज साइकिल के बहुआयामी महत्व को समझे और इसे दैनिक जीवन में अपनाए। यह दिवस हमें बताता है कि बड़े परिवर्तन हमेशा जटिल तकनीकों से नहीं आते बल्कि कभी-कभी एक साधारण दो पहियों वाला वाहन भी मानवता को बेहतर भविष्य की दिशा दिखा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम साइकिल को अतीत की वस्तु नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता के रूप में देखें। जब दुनिया सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयासरत है, तब साइकिल एक ऐसा माध्यम है जो स्वास्थ्य, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय-सभी क्षेत्रों में सकारात्मक योगदान दे सकती है। विश्व साइकिल दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि हम स्वस्थ शरीर, स्वच्छ वातावरण और संतुलित जीवन चाहते हैं, तो साइकिल को पुनः अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। यह केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि एक जीवन-दर्शन है-सादगी, संतुलन, स्वास्थ्य और प्रकृति के साथ सामंजस्य का जीवन-दर्शन। आने वाला भारत तभी अधिक स्वस्थ, हरित और प्रगतिशील बन सकेगा जब साइकिल फिर से उसकी सड़कों, गलियों और जनजीवन की धड़कन बनेगी। यही विश्व साइकिल दिवस की सार्थकता है और यही हरियाली भरे भविष्य की दिशा में हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव में हार जीत के बाद सभी पार्टियों में दे दना- दन

अशोक भाटिया

तमिलनाडु में मदुरै (मदुराइस), धरमपुरी, पेरनदुरई, त्रिची पूर्व और अंबासमुद्रम की 5 विधानसभा सीटें हाल ही में विधायकों के इस्तीफे के कारण खाली हुई हैं। इन उपचुनावों में सभी की निगाहें टिकी हैं क्योंकि अभिनेता विजय की 'तमिलगा वेत्री कड़गम' के सत्ता में आने के बाद यह पहला बड़ा चुनावी परीक्षण होगा। तमिलनाडु में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में 'तमिलगा वेत्री कड़गम' ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करके सरकार बनाई है। इन 5 उपचुनावों के परिणामों का हार पार्टी के लिए अलग अलग है व अपनी पार्टी को सुर्खियों बनाए रखने की जरुरत भी । 234 सदस्यों वाली विधानसभा में बहुमत (118) के लिए सत्तारूढ़ टीवीके को कुछ और सीटों की आवश्यकता है, जिससे इन उपचुनावों में राजनीतिक दलों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

तिरुचिरापल्ली में आयोजित रैली में विजय ने कहा कि त्रिची के लोगों का मैं विशेष रूप से धन्यवाद करता हूं। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं? क्योंकि कानूनी तौर पर अब, वे मुझे पेरम्बूर का विधायक कहेंगे। लेकिन, मेरे दिल के बहुत करीब, त्रिची ही है। गौरतलब हो कि त्रिची ईस्ट सीट पर अब जल्द ही उप चुनाव होगा। राज्य में कुल पांच सीटों पर उपचुनाव होंगे। ऐसे में सीएम विजय के इस दौरे को अहम माना जा रहा था। सीएम विजय ने यह भी साफ किया कि मैं आप में से ही किसी कॉमन मैन को ही त्रिची से उम्मीदवार बनाऊंगा। उधर दूसरी पार्टियों में उनके घर के अन्दर ही विधान सभा चुनाव के बाद से ही कुछ झगड़े या विवाद चालू है । सबसे पहले बात करें भाजपा की तो उसमें बगावत की बू आ रही है और मामला टूट तक पहुच गया है । कभी सूबे में भारतीय जनता पार्टी का सबसे आक्रामक और चमकता हुआ चेहरा रहे पूर्व आईपीएस अधिकारी के। अन्नामलाई के बारे में यह खबर उड़ रही है कि वह भाजपा का दामन छोड़ सकते हैं। मीडिया और सियासी हल्कों में यह दावा किया जा रहा है कि अन्नामलाई दिल्ली दरबार के कुछ फैसलों से बेहद खफा हैं, खासकर राज्य में क्षेत्रीय दलों के साथ पार्टी के नए तालमेल को लेकर। चर्चा तो यहां तक है कि वह जून के इसी हफ्ते में अपने अगले बड़े कदम का ऐलान कर सकते हैं और अपनी खुद की नई पार्टी की घोषणा भी कर सकते हैं। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर वो कौन से समीकरण हैं, जिन्होंने पीएम मोदी के इस सबसे भरोसेमंद सिपाही को बगावत और नई राह चुनने की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया से लेकर चेन्नई के चाय के अड्डों तक यह अफवाह इस वक्त बेहद गर्म है कि अन्नामलाई अब किसी राष्ट्रीय पार्टी के अनुशासन के दायरे में बंधकर रहने के मूड में नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि अन्नामलाई के बेहद करीबी समर्थक और जमीनी स्तर के कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर लगातार एक नई राजनीतिक लहर की बातें कर रहे हैं। यहां तक कि उनके प्रशंसक नई पार्टी के संभावित नाम, उसकी विचारधारा और तमिलनाडु की माटी से जुड़े कुछ खास प्रतीकों को भी आपस में शेयर कर रहे हैं।कहा जा रहा है कि जून के पहले या दूसरे हफ्ते में अन्नामलाई कोई बड़ा और चौंकाने वाला आधिकारिक ऐलान कर सकते हैं। द्रविड़ राजनीति के इस मजबूत गढ़ में अपनी एक अलग और बेदाग पहचान बनाने वाले पूर्व आईपीएस के चाहने वाले भी यही चाहते हैं कि वह किसी केंद्रीय गाइडलाइन के नीचे काम करने के बजाय, तमिलनाडु के युवाओं की आवाज बनकर अपनी एक अलग क्षेत्रीय पार्टी खड़ी करें। अगर ऐसा होता है, तो यह दक्षिण भारत में अपनी जड़ें मजबूत करने की कोशिश में जुटी भाजपा के लिए एक बहुत बड़ा झटका साबित हो सकता है।

अन्नामलाई के भाजपा छोड़ने की अटकलों के पीछे जो सबसे बड़ी और ठोस वजह निकलकर सामने आ रही है, वो है राज्य के बड़े क्षेत्रीय दल एआईएडीएमके के साथ भाजपा के रिश्तों का उतार-चढ़ाव। अन्नामलाई शुरू से ही इस स्टैंड पर अड़े थे कि भाजपा को तमिलनाडु में बिना किसी बैसाखी के, अपने दम पर अकेले चुनाव लड़ना चाहिए और द्रविड़ राजनीति के विकल्प के रूप में उभरना चाहिए। उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल के दौरान द्रविड़ पार्टियों की नीतियों पर जमकर तीखे हमले किए थे, जिससे राज्य के युवाओं में उनका क्रेज बढ़ा था।

अन्नामलाई स्वभाव से बेहद कड़क, स्वाभिमानी और लीक से हटकर राजनीति करने वाले नेता माने जाते हैं। कुछ समय पहले जब उनके साइडलाइन होने या पार्टी लाइन से अलग चलने की खबरें उड़ी थीं, तब उन्होंने मीडिया के सामने आकर बेहद बेबाकी से अपनी बात रखी थी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि वह राजनीति में किसी पद या कुर्सी के लालच में नहीं आए हैं। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा था, ह्मैं जब तक अपनी मर्जी से और अपनी शर्तों पर राजनीति में रहना चाहूंगा, रहूंगा। जिस दिन मुझे लगेगा कि मैं कुछ नहीं बदल पा रहा, मैं वापस अपने गांव जाकर खेती करने लगूंगा। उनका यह पुराना तेवर साफ दिखाता है कि वह दबाव की राजनीति के आगे झुकने वाले इंसान नहीं हैं। मौजूदा समय में तमिलनाडु की सियासत में सिनेमा से राजनीति में आए जोसेफ विजय (विजय थलपति) की पार्टी टीवीके ने भी एक मजबूत तीसरी ताकत के रूप में हलचल मचा रखी है। ऐसे में अन्नामलाई को लगता है कि सूबे के युवाओं और द्रविड़-विरोधी वोटर्स के बीच उनके लिए अपनी खुद की जमीन तैयार करने का यह बिल्कुल सही मौका है। अब देखना यह है कि दिल्ली का बुलावा उन्हें रोकता है या अन्ना अपनी नई राह चुनते हैं। तमिलनाडु में भाजपा नेता अन्नामलाई द्वारा नई पार्टी बनाने की चचाओं के बीच मुख्यमंत्री विजय ने भी एक बड़ा बयान दिया है। सोमवार को मुख्यमंत्री बनने के बाद टीवीके चीफ ने तिरुचिरापल्ली में पहली पब्लिक मीटिंग की। इस रैली में विजय ने डीएमके को निशाने पर लिया है। विजय ने कहा कि तमिलनाडु में अब सिर्फ मुकाबला दो दलों के बीच है। विजय ने कहा कि एक डीएमके और दूसरी टीवीके। विजय ने कहा कि इनमें बीच इनके बीच किसी और के लिए कोई भूमिका या जगह नहीं है। विजय के इस बयान के बड़े सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। एआईएडीएमके से विधायक टीवीके में गए हैं, लेकिन उन्होंने डीएमके पर हमला बोलकर साफ कर दिया है आने वाले दिनों में डीएमके नेताओं की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। तिरुचिरापल्ली के सेंट जोसेफ कॉलेज के मैदान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए विजय ने कहा कि वे कह रहे थे कि छह महीने कुछ नहीं बोलेंगे लेकिन छठवें दिन ही शिकायत करने लगे। विजय ने कहा कि वे छह दिन भी नहीं टिक पाए। विजय ने तिरुचिरापल्ली की सभा में इमोशनल कार्ड भी खेला। टीवीके की जीत के बाद त्रिची पूर्व में खुद को जिताने के लिए उन्होंने लोगों का शुक्रिया अदा किया। जनसभा में इस इवेंट के प्रमुख के पी कृष्णन ने कहा कि आप त्रिची में वैसे ही आए हैं जैसे लोग चाहते हैं। यह दुनिया का चमत्कार है कि आप पार्टी शुरू करने के 2 ।5 साल में पावर में आ गए। सीएम विजय ने त्रिची में एक रोड शो भी किया। त्रिची सीट विजय के खाली करने से अब यहां उपचुनाव होगा।

उधर बताया जाता है कि आज तमिलनाडु में AIADMK के एक और बागी विधायक ने इस्तीफा दे दिया, इसी के साथ अब AIADMK के 4 विधायकों के इस्तीफे को विधानसभा में मंजूर कर लिया है। फ्लोर टेस्ट के दौरान AIADMK के 25 विधायक बागी हो गए थे, जिसमे से अब तक 4 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया, तमिलनाडु विधानसभा में AIADMK के 47 विधायको ने जीत हासिल की थी, लेकिन फ्लोर टेस्ट में 25 विधायकों ने पाला बदलते हुए विजय थलापति का साथ दिया। अगर AIADMK अपने बागी विधायकों पर दबाव बनाती है तो सभी बागी विधायक इस्तीफा दे सकते है, ये सब इसीलिए हो रहा है क्योंकि विजय थलापति की सरकार को देखते हुए इन्हे अपना भविष्य खतरे में नजर आ रहा है ,ये सभी चलता रहा तो अक्अउटड पार्टी नाम तमिलनाडु में इतिहास बनकर रह जायेगा , अक्अउटड पूरी तरह से खत्म हो जाएगी ।।?

इस आपा धापी में कांग्रेस भी लाभ लेने में पीछे नहीं रहना चाहती । अब जब विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम राज्यसभा में एंट्री लेने की तैयारी में हैं उसकी इस योजना में साथी दल कांग्रेस रुकावट पैदा कर सकती है। दरअसल टीवीके सरकार में 5 विधायकों के साथ गठबंधन करने वाली कांग्रेस ने विजय के सामने इस राज्यसभा सीट की मांग रख दी है। यह इसलिए दिलचस्प है क्योंकि इस इकलौती सीट पर होने वाले चुनावों के जरिए TVK संसद में डेब्यू करने की तैयारी में थी। हालांकि अब कांग्रेस ने अब इस सीट पर अपना दावा ठोक कर विजय के सामने धर्मसंकट की स्थिति पैदा कर दी है।

जनगणना के बीच चुनावी रण! 2027 से पहले ही होगा यूपी विधानसभा चुनाव?

-सुरेश गांधी

उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों एक नया प्रश्न चर्चा के केंद्र में है, क्या विधानसभा चुनाव अपने निर्धारित समय से पहले कराए जा सकते हैं? यद्यपि इस संबंध में अभी तक न तो केंद्र सरकार, न राज्य सरकार और न ही चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा हुई है, फिर भी राजनीतिक गलियारों में इस संभावना पर गंभीर मंथन शुरू हो चुका है। इसकी सबसे बड़ी वजह वर्ष 2027 में प्रस्तावित राष्ट्रीय जनगणना है, जिसे देश की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद माना जाता है। जनगणना के दौरान लाखों सरकारी कर्मचारी और अधिकारी घर-घर जाकर आंकड़े जुटाने के कार्य में लगेंगे। ऐसे में देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव और जनगणना को एक साथ संचालित करना प्रशासनिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार उत्तर प्रदेश विधानसभा का वर्तमान कार्यकाल 14 मई 2027 तक है। चुनाव आयोग विधानसभा की अवधि समाप्त होने से पूर्व किसी भी उपयुक्त समय पर चुनाव कराने का अधिकार रखता है। यही कारण है कि नवंबर-दिसंबर 2026 में चुनाव कराए जाने की संभावनाओं पर चर्चा तेज हुई है। राजनीतिक दल भी इन संकेतों को गंभीरता से ले रहे हैं। सत्तारूढ़ भाजपा विकास परियोजनाओं और संगठनात्मक मजबूती के भरोसे चुनावी तैयारियों को धार दे रही है, जबकि समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस भी अपने-अपने सामाजिक समीकरणों को साधने और संगठन को सक्रिय करने में जुटी हैं।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों एक सवाल सबसे ज्यादा चर्चा में है—क्या विधानसभा चुनाव अपने निर्धारित समय से पहले कराए जा सकते हैं? अभी तक न तो सरकार की ओर से कोई आधिकारिक संकेत है और न ही चुनाव आयोग ने ऐसी कोई घोषणा की है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में जिस तरह की हलचल दिखाई दे रही है, उसने इस संभावना को बहस के केंद्र में ला दिया है। सामान्यतः उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल मई 2027 तक है और चुनाव फरवरी-मार्च 2027 में होने की संभावना मानी जाती रही है। लेकिन अब राष्ट्रीय जनगणना के कार्यक्रम और उससे जुड़ी प्रशासनिक चुनौतियों ने चुनावी समय-सारिणी को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। यही कारण है कि नवंबर-दिसंबर 2026 में चुनाव कराए जाने की चर्चाएं तेजी से फैल रही हैं।

जनगणना ने बदला राजनीतिक समीकरण

देश में होने वाली आगामी जनगणना केवल आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक दृष्टि से सबसे बड़ा राष्ट्रीय अभियान माना जाता है। लाखों कर्मचारी, शिक्षक, अधिकारी और स्थानीय प्रशासनिक तंत्र इसमें जुटते हैं। उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े राज्य में जनगणना और विधानसभा चुनाव एक साथ कराना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होगा। यही वजह है कि एक वर्ग मानता है कि यदि जनगणना अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ती है तो चुनाव आयोग को चुनावी कैलेंडर में बदलाव पर विचार करना पड़ सकता है। संविधान और चुनावी नियमों के तहत विधानसभा का चुनाव कार्यकाल समाप्त होने से कुछ महीने पहले भी कराया जा सकता है। इसलिए तकनीकी और संवैधानिक दृष्टि से यह पूरी तरह संभव है।

भाजपा क्यों दिख रही है सबसे अधिक सक्रिय?

समय से पहले चुनाव की चर्चा के पीछे सबसे ज्यादा नजरें भारतीय जनता पार्टी की गतिविधियों पर टिकती हैं। पिछले कुछ वर्षों में भाजपा ने उत्तर प्रदेश में संगठनात्मक ढांचे को लगातार मजबूत किया है। बूथ स्तर पर पुनर्गठन, सामाजिक समीकरणों को साधने की कोशिश और बड़े विकास परियोजनाओं के उद्घाटन को पार्टी अपनी राजनीतिक ताकत के प्रदर्शन के रूप में प्रस्तुत कर रही है। गंगा एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, डिफेंस कॉरिडोर, नए एयरपोर्ट और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के जरिए भाजपा यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि विकास उसकी सबसे बड़ी चुनावी पूंजी है। राजनीतिक दृष्टि से भाजपा के सामने एक और अवसर दिखाई देता है। यदि राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनता है तो उसका लाभ उत्तर प्रदेश में भी उठाया जा सकता है। सत्ता पक्ष का मानना है कि लंबा इंतजार कई बार राजनीतिक लाभ को कम कर देता है, इसलिए यदि परिस्थितियां अनुकूल हों तो समय से पहले चुनाव कोई असामान्य रणनीति नहीं होगी। हालांकि भाजपा का आधिकारिक रुख यही है कि पार्टी हर समय चुनाव के लिए तैयार रहती है और चुनाव कब होंगे, इसका निर्णय चुनाव आयोग करेगा।

समाजवादी पार्टी की सबसे बड़ी चिंता क्या है?

विपक्ष में सबसे मजबूत दावेदार समाजवादी पार्टी है। पिछले चुनाव के बाद से पार्टी लगातार अपना जनाधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है। पंचायत स्तर से लेकर विधानसभा क्षेत्रों तक संगठन के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समाजवादी पार्टी को यह आशंका है कि यदि चुनाव समय से पहले होते हैं तो भाजपा विकास परियोजनाओं और राष्ट्रीय राजनीतिक माहौल का लाभ लेने की कोशिश करेगी। यही कारण है कि पार्टी नेतृत्व लगातार अपने कार्यकताओं को चुनावी मोड में रहने की सलाह दे रहा है। सपा का मानना है कि महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं और सामाजिक असंतोष जैसे मुद्दे समय के साथ और अधिक प्रभावी हो सकते हैं। इसलिए जल्दी चुनाव होने की स्थिति में विपक्ष को अपने अभियान की गति और तेज करनी पड़ेगी।

बसपा की रणनीति—खामोशी में तैयारी

बहुजन समाज पार्टी भले ही सार्वजनिक रूप से कम सक्रिय दिखाई देती हो, लेकिन संगठनात्मक स्तर पर पार्टी लगातार समीक्षा बैठकों में जुटी है। मायावती की राजनीति हमेशा अंतिम समय तक अपने पत्ते छिपाकर रखने की रही है। बसपा की सबसे बड़ी उम्मीद दलित वोट बैंक के साथ ब्राह्मण और अन्य सवर्ण वर्गों के एक हिस्से को जोड़ने की है। पार्टी नेतृत्व को विश्वास है कि यदि सामाजिक समीकरण उसके पक्ष में बनते हैं तो वह एक बार फिर निर्णायक भूमिका में आ सकती है। समय से पहले चुनाव होने की स्थिति में बसपा को सबसे बड़ी चुनौती संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने की होगी, क्योंकि भाजपा और सपा पहले से ही चुनावी मोड में दिखाई दे रही हैं।

कांग्रेस की तलाश—जमीन और जनाधार दोनों

कांग्रेस अभी भी उत्तर प्रदेश में अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन तलाश रही है। पार्टी का प्रयास विभिन्न सामाजिक समूहों, विशेषकर दलित, पिछड़े और युवा मतदाताओं के बीच अपनी उपस्थिति मजबूत करने का है। रायबरेली, अमेठी और कुछ पारंपरिक क्षेत्रों के अलावा कांग्रेस के पास अभी ऐसा व्यापक संगठनात्मक ढांचा नहीं दिखता जो अकेले सत्ता की लड़ाई लड़ सके। लेकिन यदि चुनाव जल्दी होते हैं तो कांग्रेस गठबंधन की राजनीति और सामाजिक समीकरणों के जरिए अपनी भूमिका मजबूत करने का प्रयास करेगी।

इतिहास क्या कहता है?

भारतीय राजनीति में समय से पहले चुनाव कोई नई बात नहीं है। केंद्र और राज्यों में कई बार सरकारों ने राजनीतिक परिस्थितियों को अनुकूल देखकर चुनाव पहले कराए हैं। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि हर बार यह रणनीति सफल नहीं हुई। 2004 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने ह्लइंडिया शाइनिंगह्व अभियान के बीच लोकसभा चुनाव समय से पहले कराए थे। राजनीतिक विश्लेषकों को भाजपा की जीत तय लग रही थी, लेकिन परिणाम अपेक्षा के विपरीत आए। इस उदाहरण को विपक्ष आज भी याद दिलाता है कि राजनीतिक माहौल और चुनावी परिणाम हमेशा एक जैसे नहीं होते।

क्या सचमुच समय से पहले होंगे चुनाव?

यह प्रश्न अभी भी अनुत्तरित है। जनगणना, प्रशासनिक जरूरतें और राजनीतिक परिस्थितियां समय से पहले चुनाव की संभावना को बल अवश्य देती हैं, लेकिन अंतिम निर्णय चुनाव आयोग और संवैधानिक प्रक्रियाओं के दायरे में ही होगा। फिलहाल सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, कोई भी दल अब 2027 का इंतजार करके निश्चिंत नहीं बैठा है। भाजपा अपने विकास और संगठन के भरोसे आगे बढ़ रही है, समाजवादी पार्टी जनाक्रोश को राजनीतिक समर्थन में बदलने की कोशिश कर रही है, बसपा सामाजिक इंजीनियरिंग के पुराने प्रयोग को फिर से जीवित करना चाहती है और कांग्रेस अपने पुनरुत्थान की राह खोज रही है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में अक्सर कहा जाता है कि यहां चुनाव केवल मतदान की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक, जातीय, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक धाराओं का महासंगम होते हैं। समय से पहले चुनाव की चचाओं ने भले ही अभी कोई आधिकारिक रूप न लिया हो, लेकिन एक बात स्पष्ट है—सूबे की राजनीति अब चुनावी मोड में प्रवेश कर चुकी है। जनगणना बहाना बने या प्रशासनिक आवश्यकता, अंतिम फैसला चाहे जो हो, राजनीतिक दलों ने अपनी घड़ियां 2027 नहीं बल्कि संभवतः 2026 के अंत के हिसाब से सेट करनी शुरू कर दी हैं। यही इस समय उत्तर प्रदेश की राजनीति का सबसे बड़ा संकेत है।

जनता क्या सोचती है?

जनता की राय बंटी हुई, लेकिन चर्चा गांव से शहर तक. राजनीतिक चचाओं के बीच आम मतदाताओं में भी समय से पहले चुनाव को लेकर अलग-अलग राय देखने को मिल रही है। एक वर्ग का मानना है कि यदि जनगणना और चुनावी प्रक्रिया में टकराव की स्थिति बनती है तो समय से पहले चुनाव कराना व्यावहारिक फैसला हो सकता है। वहीं दूसरा वर्ग इसे केवल राजनीतिक अटकल मानता है और चुनाव आयोग की आधिकारिक घोषणा का इंतजार करने की बात कहता है। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों, रोजगार, किसानों की आय और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दे चर्चा के केंद्र में हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में महंगाई, रोजगार, बुनियादी सुविधाओं और निवेश के प्रश्न प्रमुख बने हुए हैं। कुल मिलाकर मतदाता अभी चुनाव की तारीख से अधिक अपने स्थानीय और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता दिखाई दे रहा है।

राजनीतिक दलों का रुख

भाजपा : हम हर समय चुनाव के लिए तैयार : भाजपा नेताओं का सार्वजनिक रुख यही है कि पार्टी चुनावी कार्यक्रम तय नहीं करती, यह अधिकार चुनाव आयोग का है। हालांकि संगठन स्तर पर बूथ सशक्तिकरण, सदस्यता अभियान और विकास परियोजनाओं के उद्घाटन से यह संदेश जरूर दिया जा रहा है कि पार्टी किसी भी समय चुनावी चुनौती का सामना करने को तैयार है।

समाजवादी पार्टी : सरकार मोमेंटम का लाभ लेना चाहती है : समाजवादी पार्टी का आरोप है कि सत्तापक्ष अनुकूल राजनीतिक माहौल का लाभ उठाने के लिए समय से पहले चुनाव कराने पर विचार कर सकता है। पार्टी नेतृत्व लगातार संगठन को सक्रिय रखने और कार्यकताओं को चुनावी तैयारी में जुटे रहने का निर्देश दे रहा है।

बसपा : संगठन मजबूत करने पर जोर : बहुजन समाज पार्टी खुलकर समय पूर्व चुनाव की बहस में शामिल नहीं हुई है, लेकिन पार्टी लगातार समीक्षा बैठकों और संभावित प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया पर काम कर रही है। बसपा का फोकस अपने पारंपरिक सामाजिक आधार को फिर से संगठित करने पर है।

कांग्रेस : हर परिस्थिति के लिए तैयारी : कांग्रेस भी विभिन्न मंडलों में बैठकों और संगठन विस्तार पर जोर दे रही है। पार्टी संभावित उम्मीदवारों की पहचान, सामाजिक समूहों तक पहुंच और जमीनी नेटवर्क मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है।

-उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल : 14 मई 2027 तक

- पिछला विधानसभा चुनाव : फरवरी-मार्च 2022

-संभावित चचा ः नवंबर-दिसंबर 2026 में चुनाव

-प्रमुख कारण : राष्ट्रीय जनगणना और प्रशासनिक संसाधनों पर दबाव

-आधिकारिक स्थिति : चुनाव आयोग या सरकार की ओर से अभी कोई घोषणा नहीं

-राजनीतिक स्थिति : सभी प्रमुख दल संगठनात्मक तैयारी तेज कर चुके हैं

भारत नेपाल सीमा विवाद के ऐतिहासिक और राजनीतिक आयाम

- महेन्द्र तिवारी

भारत और नेपाल के मध्य सदियों पुराने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध रहे हैं जो विश्व पटल पर एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। दोनों देशों के बीच लगभग 1751 किलोमीटर की लंबी खुली सीमा है। दोनों राष्ट्रों के नागरिक बिना किसी विशेष अनुमति पत्र के एक दूसरे के देश में अबाध रूप से आ जा सकते हैं, कार्य कर सकते हैं और व्यापार कर सकते हैं। पशुपतिनाथ और काशी विश्वनाथ जैसे पवित्र स्थल दोनों देशों की आस्था को एक समान सूत्र में बांधते हैं। इसके अतिरिक्त दोनों देशों के बीच अत्यंत प्रगाढ़ पारिवारिक और सामाजिक संबंध हैं। आर्थिक रूप से भी नेपाल अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए मुख्य रूप से भारतीय बंदरगाहों पर निर्भर करता है। भारत नेपाल को पेट्रोलियम, खाद्यान्न, दवाइयाँ और बिजली जैसी आवश्यक वस्तुएँ निरंतर प्रदान करता है। वर्ष 1950 की शांति और मित्रता संधि दोनों देशों के संबंधों की आधारशिला है। इस संधि ने नेपाल के नागरिकों को भारत में रोजगार और निवास करने के वे सभी अधिकार दिए हैं जो किसी भारतीय नागरिक को प्राप्त हैं। भारतीय सेना में गोरखा सैनिक इसका एक गौरवशाली प्रमाण हैं जो दशकों से भारत की सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च योगदान देते आए हैं। इतनी गहरी मित्रता और निर्भरता के बावजूद दोनों देशों के बीच सीमा से जुड़े कुछ संवेदनशील विषय समय समय पर कूटनीतिक तनाव का कारण बनते रहे हैं।

हाल ही में काठमांडू के महापौर बालेन्द्र शाह के एक वक्तव्य ने इस पुराने सीमा विवाद को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है। नेपाल की संसद और सार्वजनिक मंचों पर इस विषय ने एक नई बहस को जन्म दिया है। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है बल्कि नेपाल के लोगों ने भी कुछ स्थानों पर भारतीय भूमि का उपयोग किया है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि दोनों देशों को कूटनीतिक वार्ताओं, इतिहासकारों और सर्वेक्षण विशेषज्ञों की सहायता से इस विवाद का स्थायी समाधान खोजना चाहिए। नेपाल की राजनीति में जहाँ अक्सर राजनीतिक लाभ लेने के लिए भड़काऊ भावनाएं फैलाई जाती हैं, वहाँ एक लोकप्रिय युवा नेता द्वारा इस प्रकार का संतुलित और दोनों पक्षों की कमियों को स्वीकार करने वाला वक्तव्य आना एक अप्रत्याशित घटना थी। उनके इस बयान का नेपाल के भीतर कड़ा विरोध भी हुआ जिसके बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को यह स्पष्टीकरण देना पड़ा कि महापौर का आशय सीमा पार खेती और स्थानीय निवासियों द्वारा भूमि के उपयोग से था न कि किसी राजनीतिक कब्जे से।

भारत और नेपाल के बीच मुख्य सीमा विवाद कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और सुस्ता क्षेत्रों को लेकर है। कालापानी क्षेत्र भारत के उत्तराखंड राज्य के पिथौरागढ़ जिले के पास स्थित है और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र भारत, नेपाल और तिब्बत के त्रिकोणीय भूभाग के पास स्थित है। वर्ष 1962 के युद्ध के बाद से भारत ने यहाँ अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। लिपुलेख दर्रा कैलाश मानसरोवर यात्रा के मुख्य मार्ग के रूप में भी जाना जाता है। इस विवाद की ऐतिहासिक जड़ें वर्ष 1816 की सुगौली संधि में निहित हैं जो ब्रिटिश शासकों और नेपाल के राजा के बीच हुई थी। इस संधि के अनुसार महाकाली नदी को दोनों देशों के बीच की पश्चिमी सीमा माना गया था। सारा विवाद इस बात पर केंद्रित है कि महाकाली नदी का वास्तविक उद्गम स्थल कौन सा है। नेपाल का दावा है कि नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा से होता है जिसके आधार पर कालापानी और लिपुलेख उसके भूभाग का हिस्सा बन जाते हैं। दूसरी ओर भारत का स्पष्ट मानना है कि नदी का उद्गम कालापानी के पास से होता है और इसलिए यह पूरा क्षेत्र भारत का अभिन्न अंग है।

वर्ष 2020 में यह कूटनीतिक तनाव अपने चरम पर पहुँच गया था जब भारत ने धारचूला से लिपुलेख तक एक नई सड़क का निर्माण किया ताकि तीर्थयात्रियों को सुविधा हो सके। इसके प्रतिक्रिया स्वरूप नेपाल सरकार ने अपना नया राजनीतिक मानचित्र जारी कर दिया जिसमें कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दर्शाया गया। इस कदम ने दोनों देशों के बीच राजनीतिक संवाद को लगभग रोक दिया था। नेपाल के कुछ नेताओं ने इस विवाद में ब्रिटेन और चीन के साथ संवाद करने की बात भी कही थी। भारत हमेशा से यह दृढ़तापूर्वक मानता रहा है कि भारत और नेपाल के बीच का सीमा विवाद पूरी तरह से एक द्विपक्षीय विषय है और इसमें किसी भी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता।

नेपाल के पूर्व कूटनीतिज्ञों और सीमा विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि भारत और नेपाल के बीच लगभग 97 प्रतिशत सीमा का निर्धारण सफलतापूर्वक हो चुका है और केवल कुछ ही स्थानों पर सीमा स्तंभों की स्थिति को लेकर भ्रम है। सुस्ता क्षेत्र का विवाद गंडक नदी के मार्ग बदलने के कारण उत्पन्न हुआ है। नदियों के प्राकृतिक बहाव में परिवर्तन अक्सर सीमावर्ती क्षेत्रों में नई चुनौतियाँ पैदा करता है जिनका समाधान तकनीकी और सर्वेक्षण समितियों द्वारा किया जा सकता है। दोनों देशों के बीच संयुक्त सीमा कार्यसमूह पहले से ही इन विषयों पर कार्य कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो शेष 3 प्रतिशत विवादित सीमा का समाधान भी शांतिपूर्ण ढंग से किया जा सकता है।

वर्तमान भूराजनीतिक परिदृश्य में चीन का बढ़ता प्रभाव भी इस विवाद को जटिल बनाता है। चीन नेपाल में भारी मात्रा में आर्थिक निवेश कर रहा है और सड़क, रेल तथा अन्य आधारभूत ढांचों का निर्माण कर रहा है। भारत की सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है कि नेपाल के साथ उसके संबंध मधुर बने रहें ताकि कोई अन्य देश इस कूटनीतिक दूरी का लाभ न उठा सके। नेपाल भी एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में भारत और चीन के बीच संतुलन बनाकर अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का संचालन करना चाहता है। अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत और नेपाल के संबंध केवल नक्शों और सीमा रेखाओं के मोहताज नहीं हैं। दोनों देशों के नागरिकों के बीच जो गहरा विश्वास और आत्मीयता है वह किसी भी कूटनीतिक विवाद से कहीं अधिक शक्तिशाली है। भड़काऊ बयानों के स्थान पर ऐतिहासिक दस्तावेजों, तथ्यों और व्यावहारिक कूटनीति के आधार पर समाधान खोजना ही एकमात्र विकल्प है। यदि दोनों देश परस्पर सम्मान और संवाद की प्रक्रिया को निरंतर बनाए रखते हैं तो सीमा विवाद को सुलझाना कोई असंभव कार्य नहीं है।

मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री, स्वतंत्रता की लड़ाई में हिंदी का बड़ा योगदान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भाषा विवाद का माध्यम नहीं हो सकती हिंदी इस देश की संपर्क सूत्र है। भाषाओं के नाम पर विवाद पैदा कर वोट और सत्ता तो हासिल की जा सकती है लेकिन इससे देश का ज्ञान समाप्त हो जाएगा और इसे हम आने वाली पीढ़ियों तक नहीं पहुंचा पाएंगे। इसलिए विशेष रूप से हिंदी जैसी भाषा का सम्मान होना चाहिए जिसने हमारी स्वतंत्रता की लड़ाई में बहुत बड़ा योगदान दिया है। मुंबई हिंदी पत्रकार संघ द्वारा आयोजित हिंदी पत्रकारिता द्विशताब्दी समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यह बात कही। हिंदी पत्रकारिता के 200 साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस सामारोह में उन्होंने कहा कि बहुभाषी होना एक योग्यता है हमें अपनी भाषा तो सीखनी ही चाहिए क्योंकि मातृभाषा छोड़ने पर हम एक बहुत ही नैसर्गिक ज्ञान प्रक्रिया से बाहर हो जाते हैं। लेकिन अगर मातृभाषा के अलावा अगर हम देश की कोई और भाषा सीखेंगे तो देश का ज्ञान बटोर पाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि दुनिया के जिन देशों ने विकास किया है उन्होंने अपनी मातृभाषाओं में ही पढ़ाई की है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के सामने आज बड़ी चुनौतियां हैं क्योंकि खबरों की विश्वसनीयता को लेकर संकट है। खासकर डिजिटल मीडिया आने के बाद हालात चुनौती पूर्ण हुए हैं मैं मानता हूं कि यह अस्थायी है और इसे पीछे थोड़कर पत्रकारिता पुराने मूल्यों पर स्थापित होगी। कार्यक्रम में बतौर विशेष अतिथि मौजूद उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि हिंदी और देश की दूसरी भाषाओ में कोई टकराव नहीं है और हिंदी तभी आगे बढ़ेगी जब क्षेत्रीय भाषाएं आगे बढ़ेगी। उन्होंने भी मातृभाषा में पढ़ाई की वकालत की। मुंबई भाजपा अध्यक्ष और विधायक अमित साटम ने कहा कि हिंदी एक धागा है जो पूरे देश को को बांधता है

लेकिन इसका विरोध कुछ लोगों के लिए फैशन बन गया है जबकि उनके बच्चे फ्रेंच, जर्मन जैसी भाषाएं पढ़ते हैं। मंत्री और विधायक मंगलप्रभात लोढ़ा ने कहा कि अब मुंबई के किसी भी कोने में खड़े होकर हिंदी, हिंदू, हिंदुस्तान का नारा लगाया का सकता है। हिंदी जोड़ने वाली भाषा है तोड़ना हमारे संस्कारों में नहीं है। कार्यक्रम में सम्मानित किए गए अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने कहा कि जब माला बनती है तो उसमें एक सूत्र लगता है मुझे लगता है कि भारत के लिए यह सूत्र हिंदी भाषा ही हो सकती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र का रिश्ता बहुत पुराना है। फिल्म छावा में मैंने जिस कवि कलश की भूमिका निभाई थी वे भी उत्तर प्रदेश के थे। उन्होंने कवि कलश की कविता भी लोगों के सामने प्रस्तुत की। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता प्रोफेसर राम मोहन पाठक ने कहा कि एआई भले ही चुनौतीपूर्ण लगती है लेकिन यह संपादक जैसा दिमाग नहीं चला सकती। मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के महासचिव विजय सिंह कौशिक ने कहा कि हिंदी की पहला समाचार पत्र एक गैर हिंदी भाषा प्रदेश कोलकाता से शुरू हुआ और हम इस उपलब्धि के 200 साल पूरे होने का समारोह एक मराठी भाषी राज्य में मना रहे हैं यह विविधता में एकता की हमारी परंपरा बयान करता है। उन्होंने पत्रकारिता के शुरूआती दौर में मराठी भाषा पत्रकारों के योगदान को भी याद किया।

प्रभादेवी स्थित रविंद्र नाट्यमंदिर में आयोजित समारोह में हिंदी भाषा, पत्रकारिता और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त समिति, लखनऊ के अध्यक्ष हेमंत तिवारी, सुप्रसिद्ध अभिनेता विनीत कुमार सिंह, वरिष्ठ पत्रकार अवधेश व्यास, गंगाधर ढोबले और कुमुद संघवी चावरे को सम्मानित किया गया। इस मौके पर पत्रकारों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े गई गणमान्यों ने हाजिरी लगाई। कार्यक्रम में मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम, विधायक राजहंस सिंह, संजय उपाध्याय, मुरजी पटेल, सिद्धविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आर्चाय पवन त्रिपाठी, योगायतन ग्रुप ऑफ कंपनी के अध्यक्ष डॉक्टर राजेंद्र प्रताप सिंह, उद्योगपति ज्ञान प्रकाश सिंह, प्रदेश भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष संजय पांडेय, उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आर एन सिंह, समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह, मीरा भायंदर परिवहन समिति के सभापति एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे, उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र मिश्र, कार्यकारणी सदस्य हरीगोविन्द विश्वकर्मा, अखिलेश मिश्र, अखिलेश तिवारी, अशोक शुक्ला, सैयद सलमान आदि मौजूद थे।

धूमधाम से मनाया गया भाजपा नेता यशवंत टावरे का जन्मदिन, जन्मदिन की शुभकामनाएँ देने वालों की लगी भीड़

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भाजपा नेता व नगरसेवक यशवंत टावरे का जन्मदिवस उनके कार्यकताओं, समर्थकों और परिवारजनों द्वारा बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ भंडारी चौक स्थित उनके जनसंपर्क कार्यालय के सामने मनाया गया। बतादें कि भंडारी चौक स्थित उनके जनसंपर्क कार्यालय के समक्ष पटाखों की आतिशबाजी के साथ केक काटकर शुभकामनाओं के साथ बडी भव्यता के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में उपस्थित नागरिकों, कार्यकताओं और शुभचिंतकों ने यशवंत टावरे का सम्मान कर उन्हें जन्मदिन की बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नगरसेवक निलेश चौधरी, सुमित पाटिल, वैभव भोईर, विशाल पाठारे, बजरंग दल के दादा गोसावी तथा पूर्व भाजपा महिला अध्यक्षा सुनीता यशवंत टावरे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने यशवंत टावरे द्वारा समाजहित एवं जनसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उनके नेतृत्व को भिवंडी के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

मीरा भायंदर नगर निगम जल आपूर्ति एवं सीवरेज विभाग द्वारा नागरिकों से अपील

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर के सभी नागरिकों को सूचित किया जाता है कि मीरा भायंदर शहर को एसटीईएम प्राधिकरण और महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) द्वारा जल आपूर्ति की जाती है। अल नीनो और आयोडीन प्रदूषण (आईओडी) के प्रभाव से समुद्री धाराओं के सक्रिय होने के कारण इस वर्ष मानसून में देरी की संभावना है। 14/05/2026 को जल संसाधन विभाग के साथ हुई बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, आने वाले समय में जल की कमी न हो, इसके लिए जल आपूर्ति कम करने का निर्णय लिया गया है। तदनुसार, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) के बारवी जल शोधन केंद्र, जांभुल से जल आपूर्ति गुरुवार 04/06/2026 दोपहर 12:00 बजे से शुक्रवार 05/06/2026 दोपहर 12:00 बजे तक बंद रहेगी। साथ ही, एसटीईएम प्राधिकरण से जल आपूर्ति जारी रहेगी। हालांकि, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) से जल आपूर्ति बहाल होने तक मीरा भायंदर शहर में पानी का दबाव कम रहेगा और आपूर्ति में देरी होगी। नागरिकों से अनुरोध है कि वे पानी का सोच-समझकर उपयोग करें और नगर निगम के साथ सहयोग करें।

अरुणा ईरानी ने दिलीप कुमार के साथ अपना पहला ऑडिशन याद किया

मुंबई/पटना। तुम हो ना घर की सुपरस्टार का आने वाला एपिसोड भावनाओं और पुरानी यादों से भरपूर होगा। इस एपिसोड में दिग्गज अभिनेत्री अरुणा ईरानी को एक सुखद आश्चर्य मिला, जब उनकी बहन चेतना ने खास तौर पर मंच पर शिरकत की। यह दिल छू लेने वाला मिलन अरुणा को बचपन की सुनहरी यादों और उनके फिल्मी सफर की शुरूआत तक ले गया। मिलकर उन अनमोल पलों को याद किया, जिनमें बचपन की मासूमियत और इंडस्ट्री में कदम रखने की शुरूआती कहानियाँ शामिल थीं। जब दोनों बहनें पुरानी यादों में खोईं, तो बातचीत स्वाभाविक रूप से इस ओर मुड़ गई कि अरुणा ने अभिनय की दुनिया में पहला कदम कैसे रखा। और ज्यादा जानने की उत्सुकता में होस्ट राजीव खंडेलवाल ने पूछा, आपका सिलेक्शन कैसे हुआ? फिर उन्होंने आगे बढ़कर सवाल किया, आपने ऑडिशन दिया? उस घटना को याद करते हुए अरुणा ने बताया कि एक बार कास्टिंग टीम उनके रिहायशी बिल्डिंग में आई थी, जो बच्चों की तलाश कर रही थी। बिल्डिंग के बच्चों से कहा गया कि जो भी एक्टिंग में दिलचस्पी रखता है, वह तय समय पर ऑडिशन देने आ सकता है और वहाँ वेफर्स और कोल्ड ड्रिंक भी मिलेंगे।

एसआईपी में निवेश तो बढ़ा, पर रजिस्ट्रेशन के रुझान जता रहे निवेशकों की सतर्कता

मुंबई/पटना। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) उन आम और छोटे निवेशकों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण जरिया बना हुआ है, जो म्यूचुअल फंड के माध्यम से लंबे समय में बड़ी संपत्ति या फंड बनाना चाहते हैं। इंडस्ट्री के आंकड़ों से पता चलता है कि पटना में एसआईपी रजिस्ट्रेशन कराने वाले लोगों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है। यह आंकड़ा अप्रैल 2025 में 2.87% था, जो अप्रैल 2026 में बढ़कर 3.04% हो गया। यह बढ़ोतरी यह दर्शाती है कि शेयर बाजार में चल रहे उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा डिगा नहीं है और वे लगातार बाजार में अपनी भागीदारी को बनाए हुए हैं (स्त्रोतः आंतरिक डेटा)। पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग में भी एसआईपी के जरिए लगातार पैसा आना जारी है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद, 2026 के पहले चार महीनों में एसआईपी से आने वाला पैसा पूरी तरह स्थिर रहा और यह लगभग 30,000 करोड़ के आस-पास बना रहा। यह दिखाता है कि निवेशक लगातार बाजार में बने हुए हैं।

मीशो ने बीएसई के साथ साझेदारी में 'प्रोजेक्ट शिखर' शुरू करने की घोषणा की

मुंबई/पटना। वार्षिक लेन-देन करने वाले उपयोगकताओं और ऑर्डरों के मामले में भारत के सबसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, मीशो ने बीएसइ बीएसई के साथ साझेदारी में 'प्रोजेक्ट शिखर' शुरू करने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य एमएसएमई को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध संस्थाओं में बदलने में सक्षम बनाना है, जिससे उन्हें विकास के लिए पूंजी तक पहुँचने में मदद मिल सके। इस सहयोग को एक एमओयू के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया, जिस पर मीशो की कॉर्पोरेट मामलों की प्रमुख, सुश्री लोपामुद्रा राव, और बीएसई के एमडी और सीईओ , श्री सुंदररमन राममूर्ति की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। यह जमीनी स्तर के डिजिटल व्यवसायों को संस्थागत पूंजी तक पहुँचने में सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीएसई के प्रबंध निदेशक और सीईओ, श्री सुंदररमन राममूर्ति ने कहाः बीएसई में, हमने भारत के सबसे गतिशील और रोजगार पैदा करने वाले व्यवसायों को पूंजी बाजारों तक पहुँचने का सीधा रास्ता देने के लिए एसएमई प्लेटफॉर्म की शुरूआत की थी।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किए श्री सिद्धिविनायक गणपति के दर्शन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई दौरे पर आए उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मा. बृजेश पाठक ने प्रभादेवी स्थित श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर में जाकर भगवान गणेश के दर्शन किए तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक का स्वागत किया। इस दौरान स्वीकृत नगरसेवक नितेश राजहंस सिंह भी उपस्थित थे।

डी.वाय. फाउंडेशन ने 50 से अधिक नागरिकों का मनाया सामूहिक जन्मदिन, सामाजिक एकता का दिया संदेश

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। सामाजिक सरोकारों के लिए कार्यरत डी.वाय. फाउंडेशन की ओर से आमणे-लोनाड जिला परिषद क्षेत्र के 50 से अधिक नागरिकों का सामूहिक जन्मदिन बड़े ही उत्साह, हर्षोल्लास और आत्मीय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर समाज में भाईचारा, एकता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान जन्मदिन मनाने वाले सभी नागरिकों का पुष्पगुच्छ एवं सम्मान स्वरूप अभिनंदन किया गया। उपस्थित लोगों ने जन्मदिनधारकों

को शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और सुखद भविष्य की कामना की। सामूहिक रूप से केक काटकर जन्मदिन मनाने से कार्यक्रम का माहौल और भी आनंदमय हो गया। इस अवसर पर डी.वाय. फाउंडेशन के अध्यक्ष दयानंद चोरघे ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल सामाजिक कार्य करना ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान और अपनापन महसूस कराना भी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन लोगों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं और सामाजिक रिश्तों को मजबूत बनाते हैं। कार्यक्रम का नेतृत्व युवा नेता विरेन दयानंद चोरघे ने किया। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक सोच और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष योगेश पाटिल, फाउंडेशन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यक्रम समाज में प्रेम, सद्भाव और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

श्रीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ के तृतीय दिवस में ध्रुव चरित्र का भावपूर्ण वर्णन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री साई विनायक मित्र मंडल के तत्वावधान में श्रीराम मंदिर एवं श्रीगणेश मंदिर सभागृह, नारायण नगर, घाटकोपर (पश्चिम) मुंबई में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ के तृतीय दिवस पर श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति रही। कथा व्यास पूज्य पं. हर्षचरित पाण्डेय जी महाराज ने ध्रुव चरित्र का अत्यंत प्रेरणादायी एवं हृदयस्पर्शी वर्णन किया।

महाराज श्री ने कहा कि

श्रवणं कीर्तनं विष्णोः स्मरणं पादसेवनम्! अर्चनं वन्दनं दास्यं सख्यमात्मनिवेदनम्!! बालक ध्रुव का जीवन दृढ़ संकल्प, भक्ति और तपस्या का अनुपम आदर्श है। मात्र 5 वर्ष की अवस्था में अपमान सहकर भी ध्रुव ने भगवान श्रीहरि की आराधना का मार्ग अपनाया और

कठोर तप के बल पर भगवान विष्णु के साक्षात दर्शन प्राप्त किए। उन्होंने बताया कि संसार में सम्मान, वैभव और प्रतिष्ठा से बढ़कर भगवान की भक्ति है, जो जीवन को सार्थक बनाती है।

पूज्यश्री ने कहा कि विपरीत परिस्थितियाँ मनुष्य को तोड़ने के लिए नहीं, बल्कि उसे महान बनाने के लिए आती हैं। ध्रुव की अटूट श्रद्धा और दृढ़ निश्चय प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में लक्ष्य प्राप्ति की प्रेरणा देता है। भगवान भक्तों के प्रेम और समर्पण से प्रसन्न होकर उनकी सभी मनोकामनाएँ पूर्ण करते हैं।

कथा के दौरान भजन-कीर्तन एवं हरिनाम संकीर्तन से सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु भगवान के जयकारों के साथ भक्ति रस में सराबोर दिखाई दिए। कथा के उपरांत आरती एवं महाप्रसाद का वितरण किया गया। आयोजक मंडल ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से निवेदन किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करें तथा तन, मन और धन से सहयोग प्रदान कर इस पुण्य ज्ञानयज्ञ को सफल बनाएं। भगवान की भक्ति ही जीवन का परम कल्याणकारी है।

नागरिकों को होने वाली असुविधा किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं : मंगल प्रभात लोढ़ा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गिरगांव क्षेत्र में हाल ही में बार-बार हो रही बिजली आपूर्ति बाधित होने की घटनाओं के मद्देनजर, कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने नगरसेविका श्रीमती स्नेहल तेंडुलकर एवं इएरळ के अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण किया। चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने तत्काल मरम्मत के स्पष्ट निर्देश दिए। कार्य में हो रही देरी, समन्वय की कमी और लापरवाही को लेकर उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कड़े शब्दों में जवाब मांगा और स्पष्ट किया कि नागरिकों को होने वाली असुविधा किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि कार्य अधूरा छोड़ दिया गया, तो वे स्वयं धरना आंदोलन करेंगे। प्रभाग 218 की नगरसेविका श्रीमती स्नेहल तेंडुलकर ने भी नागरिकों के मुद्दों पर विरोध दर्ज कराने की भूमिका स्पष्ट की। मरीन लाइन्स पुल के पास स्थित इएरळ स्टेशन के निकट 33,000 वोल्ट की वायरिंग में खराबी पाई गई है। यह लाइन रेलवे पटरियों के नीचे से गुजरती है, जिसके कारण मरम्मत प्रक्रिया में कुछ समय लगने की संभावना अधिकारियों ने व्यक्त की है। वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में फिलहाल विभिन्न स्थानों से 11,000 वोल्ट की बिजली आपूर्ति डायवर्ट की गई है। श्री लोढ़ा के

निदेर्शानुसार, नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए गिरगांव गायवाड़ी में इएरळ की एक विशेष बस तैनात की जाएगी, जिससे स्थानीय निवासियों को अपनी समस्याएं दर्ज कराने और उन पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने में सुविधा होगी। साथ ही, मरम्मत कार्य के लिए किए गए खुदाई के कारण सड़कों पर बने गड्ढों को तत्काल भरने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। श्रीमती स्नेहल तेंडुलकर ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, आने वाले कुछ महीनों में पूरे गिरगांव क्षेत्र में बढ़ती बिजली मांग का आकलन करने के लिए एक व्यापक सर्वेक्षण किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त सबस्टेशनों की स्थापना पर भी चर्चा की गई है। भविष्य में ऐसी समस्याएं उत्पन्न न हों, इसके लिए दीर्घकालिक योजना पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस बीच, इएरळ प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान बिजली कटौती पूर्व-नियोजित नहीं है, बल्कि बढ़े हुए लोड के कारण उत्पन्न परिस्थितिजन्य समस्या है। इसके बावजूद, आधुनिक तकनीक के माध्यम से नागरिकों को समय पर जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। वर्तमान में फाटकवाड़ी से फॉल्ट मरम्मत वाहन कार्यरत हैं, लेकिन उनके व्यापक कार्यक्षेत्र के कारण सभी स्थानों पर समय पर पहुंचना चुनौतीपूर्ण हो रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए, लगभग एक सप्ताह के भीतर ऊ और उ विभागों के लिए ताड़देव इएरळ डिवीजन से समर्पित मरम्मत वाहन तैनात किए जाएंगे। संबंधित संपर्क नंबर भी शीघ्र ही नागरिकों को उपलब्ध कराए जाएंगे। श्री लोढ़ा और श्रीमती तेंडुलकर ने विश्वास व्यक्त किया कि गिरगांववासियों को पूर्ण राहत मिलने तक इस मुद्दे पर लगातार फॉलो-अप जारी रहेगा।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर भिवंडी में निकली व्यसन मुक्ति रैली, नशामुक्त भारत का दिलाया संकल्प

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। गायत्री परिवार ट्रस्ट भिवंडी द्वारा व्यसन मुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर गायत्री प्रज्ञा पीठ, गौशाला प्रांगण में व्यसन मुक्ति रैली एवं संकल्प समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में नशामुक्ति के प्रति जनजागरण करना तथा युवाओं को तंबाकू एवं अन्य व्यसनों से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। बतादें कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डा. देवराज सिन्हा, स्वामी प्रेम स्वरूप चैतन्य, वरिष्ठ समाजसेवी कृष्णगोपाल सिंह, चंदन सिंह राजपुरोहित, डा. वरुण मानेक तथा

भाजपा नेता मोहन कोंडा उपस्थित रहे। व्यसन मुक्ति रैली का शुभारंभ नगरसेवक मनोज काटेकर द्वारा किया गया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश देते हुए जनजागरण किया तथा तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया। इसके पश्चात आयोजित संकल्प समारोह में उपस्थित जनसमूह ने नशामुक्त भारत के निर्माण हेतु सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन उपेन्द्र जोशी ने किया। इस अवसर पर दयाशंकर गुप्ता, लालजी वरिया, दिनकर सिंह, विपुल खंडेलवाल, नीरज गुप्ता, पी. डी. यादव, चिराग मालदे, ओंकार यादव, सुनीता नायक, सुनील भोंसले सहित बड़ी संख्या में बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। आयोजकों ने सभी उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए समाज को नशामुक्त बनाने के लिए निरंतर जनजागरण अभियान चलाने का संकल्प।

दुकानदार द्वारा अवैध शेड मारकर सोसायटी की जगह कब्जा करने की साजिश

केडीएमसी ''क'' प्रभाग को लिखित शिकायत

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम क्षेत्र स्थित सर्वोदय पार्क सोसायटी के बाहर गाळाधार मुर्तिमंद तांडेल द्वारा बनाए गए अवैध शेड पर कार्रवाई की मांग रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले गुट) की ओर से की गई है। इस संबंध में पार्टी के शहर अध्यक्ष संजय जाधव ने केडीएमसी के ह्यकह्न प्रभाग से लिखित शिकायत की है।

शिकायत में कहा गया कि केडीएमसी के ह्यकह्न प्रभाग क्षेत्र अंतर्गत गोविंदवाड़ी बायपास स्थित सर्वोदय पार्क सोसायटी में कुछ गाळाधार द्वारा अवैध रूप से दुकानों के बाहर शेड का निर्माण किया जा रहा है। इससे साफ जाहिर होता है कि दुकानदार खुली जगह पर अपना कब्जा जमाने के लिए कोई बड़ी साजिश करने की

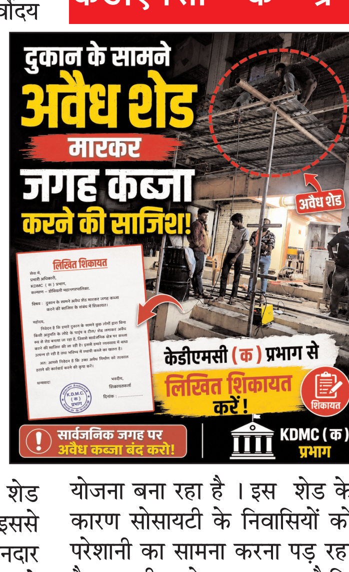

योजना बना रहा है । इस शेड के कारण सोसायटी के निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही आरोप लगाया गया है कि इस निर्माण के लिए न तो महापालिका और न ही सोसायटी से किसी प्रकार की अनुमति ली गई है।

संजय जाधव ने प्रशासन से इस मामले में तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में संबंधित विभाग से संपर्क करने पर अधिकारी ने कहा कि 24 घंटे में दुकान मालिक को पालिका प्रशासन की तरफ से नोटिस जारी कर जवाब मांगा जाएगा।

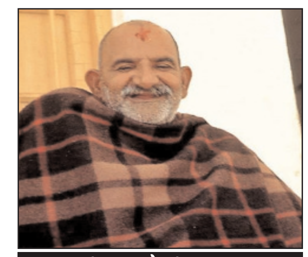

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAH-HIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

सद्भावना पुल के नीचे गोमती नदी में मिला अज्ञात युवक का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के सद्भावना पुल के नीचे गोमती नदी में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सोमवार को नदी में शव उतराता देख स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में ले लिया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए उसकी पहचान कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

प्रारंभिक जांच में युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों से गुमशुदगी के मामलों की जानकारी जुटा रही है और मृतक की पहचान के लिए आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार नदी में शव मिलने की खबर फैलते ही क्षेत्र में चर्चा का माहौल बन गया। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और पहचान संबंधी कोई जानकारी होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करने की अपील की है।

अब बिना लंबी लाइन के होंगे बाबा कालभैरव के दर्शन

काशीवासियों को बड़ी सौगात

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में काशी के कोतवाल माने जाने वाले बाबा कालभैरव के दर्शन के लिए स्थानीय श्रद्धालुओं को अब घंटों कतार में खड़े रहने की आवश्यकता नहीं होगी। मंदिर प्रशासन ने काशीवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत स्थानीय निवासी निर्धारित समय में बिना लंबी प्रतीक्षा के बाबा के दर्शन कर सकेंगे। मंदिर प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह नई व्यवस्था आगामी सावन माह से लागू की जाएगी। इसके अंतर्गत प्रतिदिन सुबह 5 बजे से 6 बजे तक का समय विशेष रूप से वाराणसी के स्थानीय निवासियों के लिए आरक्षित रहेगा। इस दौरान काशीवासी अपना आधार कार्ड दिखाकर सीधे मंदिर परिसर में प्रवेश कर बाबा कालभैरव के दर्शन एवं पूजन कर सकेंगे। मंदिर प्रशासन का कहना है कि सावन और अन्य विशेष अवसरों पर बाबा कालभैरव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, जिससे स्थानीय लोगों को भी दर्शन के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। नई व्यवस्था का उद्देश्य काशीवासियों को भीड़भाड़ और लंबी कतारों से राहत प्रदान करना तथा उन्हें सुगमता से दर्शन का अवसर उपलब्ध कराना है। इस निर्णय का स्थानीय श्रद्धालुओं ने स्वागत किया है। उनका मानना है कि इससे नियमित रूप से दर्शन करने वाले काशीवासियों को काफी सुविधा मिलेगी और मंदिर में दर्शन व्यवस्था भी अधिक सुव्यवस्थित हो सकेगी।

पीडीए आरक्षण घोटाला पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों के संविधान प्रदत्त अधिकारों की सरकारी लूट: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पीडीए आरक्षण घोटाला पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों के संविधान प्रदत्त अधिकारों की सरकारी लूट है तथा बाबासाहब का दिया हुआ संविधान इस देश का आधार और आरक्षण पीडीए की समता, समानता, संपन्नता का औजार है। उक्त बातें समाजवादी पार्टी जौनपुर द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में ज़िलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने नगर के होटल रिवर व्यू में कही है।

ज़िलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि कैसे उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पीडीए समाज के युवाओं, बेटे, बेटियों, बहुओं से संविधान प्रदत्त आरक्षण का अधिकार छीन रही है, और कैसे बाबासाहब द्वारा दिए गए इस बराबरी के औजार यानी आरक्षण को धीरे धीरे कमजोर किया जा रहा है।

ज़िलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि इस पीडीए आरक्षण घोटाले को प्रमाण के साथ आपके बीच हम पदार्फाश कर रहे हैं। जबकि संविधान प्रदत्त आरक्षण ही पीडीए समाज की बराबरी सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि कुल 22 परीक्षाओं में 11514 से अधिक पीडीए समाज के लिए आरक्षित सीटों की लूट हुई है जिसे इस बुकलेट के माध्यम से प्रमाण सहित पदार्फाश किया गया है।

ज़िलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने सिलसिलेवार तरीके से बताया कि 69 हजार शिक्षक भर्ती में 7933 से ज्यादा, वन और वन्य जीव रक्षक भर्ती में 88, बांदा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी भर्ती में 5, एडेड जूनियर हाई स्कूल मास्टर/ हेड

मास्टर भर्ती में 547, ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती में 232, नेत्र परीक्षण अधिकारी भर्ती में 47, UPSSSC कनिष्ठ सहायक, कनिष्ठ लिपिक एवं सहायक स्तर -III भर्ती में 300, प्रवर्तन कांस्टेबल भर्ती में 34, लखीमपुर कोऑपरेटिव बैंक भर्ती में 8, UPSSSC आशुलिपिक भर्ती में 37, UPSSSC कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती में 434, लेखपाल भर्ती में 960, पशु चिकित्सक भर्ती में 81, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी भर्ती में 55, चिकित्सा अधिकारी आयुर्वेद में 54, चिकित्सा अधिकारी होम्योपैथिक में 2, वढररउ अमीन नीलमकर्ता भर्ती में 19, UPSSSC लिपिक सह टंकक भर्ती में 9, UPSSSC सहायक लोक लेखा कोषागार लेखाकार भारती में 58, UPSSSC अधिशासी अधिकारी भर्ती में 13, UPSSSC सहायक चकबंदी अधिकारी भर्ती में 10, UPSSSC कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती में 588 पदों की पीडीए समाज के आरक्षित सीटों की लूट हुई है।

जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि इतनी बड़ी पीडीए समाज युवाओं के भविष्य की लूट इस बात का प्रमाण है कि संविधान और आरक्षण दोनों खतरे में है।

समाजवादी पार्टी इस बड़ी लूट को पीडीए समाज के युवाओं, बेटे बेटियों बहुओं के बीच में भी लेकर जाएगी और भाजपा सरकार के इन पीडीए विरोधी कृत्यों को उजागर करेगी।

इसके अतिरिक्त समाजवादी पार्टी जौनपुर पेपर लीक, बढ़ती महंगाई, पेट्रोलियम पदार्थों में बेतहाशा वृद्धि, भयंकर विद्युत कटौती, बिगड़ती कानून व्यवस्था, फेक एनकाउंटर एवं अन्य ज्वलंत मुद्दों पर आगामी 5 जून को ज़िला मुख्यालय पर विशाल धरना प्रदर्शन करने जा रही है।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई, विधायक लकी यादव, विधायक पंकज पटेल, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, श्रद्धा यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री संगीता यादव, ज़िला महासचिव आरिफ हबीब, पूर्व प्रत्याशी संजय सरोज वरिष्ठ नेता दीपचंद राम, ज़िला उपाध्यक्ष हीरालाल विश्वकर्मा, गामा सोनकर, प्रेमशंकर यादव, ज़िला सचिव गुलाब यादव रीठी, युवा नेता दीपक विश्वकर्मा, ज़िला सचिव मनोज कुमार मौर्य, यूथ ब्रिगेड के ज़िलाध्यक्ष गुड्डू सोनकर ऋषि यादव, रविन्द्र मौर्य, अनिल यादव शक्ति सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

भाजपा की गलत नीतियों से गाय की नस्ल खतरे में: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने पीडीए भवन, कटघरा, जौनपुर में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकारों की गलत नीतियों के कारण आज देश में गौवंश गंभीर संकट का सामना कर रहा है।

उन्होंने कहा कि जो बैल कभी एक लाख रुपये तक की कीमत में बिकता था, आज उसे सौ रुपये में भी खरीदने वाला नहीं मिल रहा है। इसी प्रकार जो गाय किसान की सबसे बड़ी संपत्ति मानी जाती थी, उसकी भी उपयोगिता और आर्थिक मूल्य लगातार घटता जा रहा है। यह स्थिति केवल किसानों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के पशुधन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए चिंताजनक है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि देश में लंबे समय से गाय के नाम पर जनभावनाओं को भड़काकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास किया गया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि इस विषय पर भावनात्मक उन्माद नहीं, बल्कि गंभीर राष्ट्रीय बहस और व्यावहारिक नीति तैयार की जाए।

उन्होंने कहा कि गौवंश केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि भारत की कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, संस्कृति और सामाजिक संरचना का महत्वपूर्ण आधार रहा है। सदियों तक देश की अर्थव्यवस्था खेती और पशुधन पर आधारित रही। किसी परिवार की समृद्धि का आकलन उसके पशुधन, बैलों, गायों और कृषि संसाधनों से किया जाता था। गांवों में दरवाजे पर खड़े मजबूत बैल किसान की आर्थिक शक्ति और सम्मान के प्रतीक माने जाते थे।

उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब खेती पूरी तरह बैलों के सहारे होती थी तथा बैलगाड़ियां परिवहन का प्रमुख साधन थीं। ग्रामीण जीवन, कृषि व्यवस्था और स्थानीय व्यापार पशुधन पर आधारित था। किंतु आधुनिक मशीनों, ट्रैक्टरों और तकनीकी संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण बैलों की उपयोगिता लगातार कम होती चली गई। आज किसान आर्थिक मजबूरियों के चलते बैल पालने से पीछे हट रहा है।

मोहम्मद अरशद खान ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बैल की उपयोगिता समाप्त हो गई तो भविष्य में गाय भी संकट में पड़ जाएगी, क्योंकि गौवंश का अस्तित्व परस्पर जुड़ा हुआ है। केवल भावनात्मक नारों से गौवंश की रक्षा संभव नहीं है। इसके लिए आर्थिक मॉडल, वैज्ञानिक

नीति और व्यवहारिक समाधान विकसित करने होंगे।

उन्होंने देश के सभी धमार्चार्यों, शंकराचार्यों, महामंडलेश्वरों, सामाजिक चिंतकों, कृषि विशेषज्ञों, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों तथा विशेष रूप से हिंदू समाज से अपील करते हुए कहा कि आधुनिक भारत में बैल की उपयोगिता बढ़ाने और पशुधन आधारित अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने पर राष्ट्रव्यापी संवाद शुरू किया जाना चाहिए।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत की साझा संस्कृति और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने के लिए इतिहास में विभिन्न शासकों ने समय-समय पर संतुलित नीतियां अपनाईं। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार प्रथम मुगल सम्राट बाबर ने अपने पुत्र हुमायूं को सलाह दी थी कि भारत में हिंदू समाज गाय को पूजनीय मानता है, इसलिए सामाजिक सद्भाव बनाए रखने हेतु गाय के वध से परहेज किया जाए। उन्होंने कहा कि इतिहास में यह भी उल्लेख मिलता है कि हुमायूं तथा अन्य शासकों ने भी कई अवसरों पर धार्मिक संवेदनशीलता के विषयों पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाया।

उन्होंने प्रधानमंत्री से मांग की कि पूरे देश में गाय के वध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए ताकि करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाओं और आस्था का सम्मान सुनिश्चित हो सके।

इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि बैल आधारित गतिविधियों और पशुधन क्षेत्र को उद्योग का दर्जा दिया जाए तथा पशुपालन आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नई नीति बनाई जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वैज्ञानिक, व्यवहारिक और रोजगारपरक नीति अपनाए तो पशुपालन क्षेत्र में करोड़ों लोगों को रोजगार मिल सकता है, किसानों की आय बढ़ सकती है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल सकती है।

उन्होंने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और यहां पशुधन आधारित उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं। यदि सरकार इस क्षेत्र को संगठित ढंग से विकसित करे तो किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, ग्रामीण युवाओं को रोजगार मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था को भी लाभ पहुंचेगा।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि देश को नफरत, उन्माद और टकराव की राजनीति से ऊपर उठकर सामाजिक सद्भाव, किसानों की आर्थिक मजबूती, पशुधन संरक्षण और राष्ट्रीय विकास की दिशा में ठोस एवं दूरदर्शी नीति बनानी चाहिए। लोकतंत्र में हर विषय का समाधान संवाद, बहस और संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से निकाला जाना चाहिए। केवल राजनीतिक लाभ के लिए समाज को बांटने का प्रयास देशहित में नहीं है। भारत की वास्तविक शक्ति उसकी गंगा-जमुनी तहजीब, सामाजिक एकता और किसानों की मेहनत में निहित है।

आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका: 'आप' की नीतियों से असंतुष्ट होकर नेताओं ने छोड़ी पार्टी

जिला सचिव अनीता श्रीवास्तव और महिला जिला अध्यक्ष अनीता मिश्रा समेत कई वरिष्ठ नेत्रियों ने थामा भाजपा का दामन

जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने सभी को दिलाई सदस्यता, कहा राष्ट्रवाद और विकास की नीतियों से प्रभावित होकर जुड़ रहे हैं लोग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आम आदमी पार्टी को आज उस समय बड़ा झटका लगा, जब पार्टी की नीतियों और कार्यशैली से असंतुष्ट होकर उसकी कई वरिष्ठ महिला पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली।

भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित एक सादे और गरिमामयी कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने आम आदमी पार्टी की जिला सचिव अनीता श्रीवास्तव, महिला जिला अध्यक्ष अनीता मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष साधना त्रिपाठी और सदस्य प्रियंका दुबे को पार्टी का पटका और माला पहनाकर विधिवत भाजपा की सदस्यता दिलाई।

भाजपा में शामिल होने के बाद सामूहिक रूप से नेत्रियों ने कहा हम लंबे समय से आम आदमी पार्टी की नीतियों और उसकी दिशाहीन राजनीति से असंतुष्ट चल रहे थे वहां कार्यकताओं के सम्मान और जमीनी मुद्दों की अनदेखी की जा रही है देश और प्रदेश का वास्तविक विकास सिर्फ और सिर्फ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में ही संभव है, इसी से प्रेरित होकर हमने आज भाजपा परिवार में शामिल होने का निर्णय लिया।

भाजपा अंत्योदय और राष्ट्रवाद के संकल्प वाली पार्टी: इस अवसर पर नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अजीत प्रजापति ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी किसी एक व्यक्ति या परिवार की पार्टी नहीं, बल्कि 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत पर चलने वाला एक विशाल परिवार है। अध्यक्ष ने पार्टी की विचारधारा को

रेखांकित करते हुए कहा कि आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र पर देश आगे बढ़ रहा है। हमारी सरकार की योजनाएं समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति (अंत्योदय) तक बिना किसी भेदभाव के पहुंच रही हैं।

उन्होंने आगे कहा कि भाजपा हमेशा से मातृशक्ति के सम्मान और उनके उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रही है आज विभिन्न विपक्षी दलों की महिला पदाधिकारी अगर अपनी पार्टियां छोड़कर भाजपा में आ रही हैं, तो यह इस बात का प्रमाण है कि उन्हें भाजपा की नीतियों और नीति-नियंताओं पर पूरा भरोसा है भाजपा में हर कार्यकर्ता का मूल्यांकन उसके परिश्रम और समर्पण से होता है आज शामिल हुईं सभी सम्मानित बहनों का पार्टी में पूरा सम्मान किया जाएगा और उनके आने से संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ने नए सदस्यों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और पार्टी के 'विजय संकल्प' को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पीयूष गुप्ता अजय सिंह परविंदर चौहान धर्मेंद्र मिश्र राज केशर पाल उपस्थित रहे।

उत्तराखंड पीसीएस में सफल होकर प्रशांत पांडे बने प्रथम श्रेणी अधिकारी, क्षेत्र में खुशी की लहर

सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के कादीपुर तहसील स्थित बहाउद्दीनपुर गांव निवासी प्रशांत पांडे ने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग (पीसीएस) परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। उनका चयन सहायक नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी (श्रेणी-1) के पद पर हुआ है।

प्रशांत पांडे, विजय शंकर पांडे के पुत्र हैं और बचपन से ही मेधावी छात्र रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। प्रशांत का जौनपुर जनपद से भी विशेष संबंध है। वह बदलापुर तहसील के खजूरन गांव निवासी एवं पूर्व प्रधान प्रमोद शुक्ला के दामाद हैं।

उत्तराखंड पीसीएस जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल करने पर क्षेत्र के लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। बधाई देने वालों में राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, दिवाकर सिंह, अखिलेश तिवारी, राजन सिंह, मनोज तिवारी, सुरेंद्र सिंह, संजय सिंह, आजाद गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल हैं।

प्रशांत पांडे की इस उपलब्धि को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताते हुए लोगों ने कहा कि मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से हर सफलता हासिल की जा सकती है। उनकी सफलता से पूरे क्षेत्र में गर्व और उत्साह का माहौल है।

वीर सावरकर का राष्ट्र प्रथम विचार युवाओं के लिए प्रेरणा

शिव पूजन पाण्डेय

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। गोमती नगर के छत्रपति शाहूजी महाराज भागीदारी भवन में शनिवार को 'माय होम इंडिया' संस्था के तत्वावधान में 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर जयंती महोत्सव 2026' का आयोजन हुआ।

क्रांतिसूर्य स्वातंत्र्यवीर सावरकर की जयंती पर आयोजित इस वैचारिक संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में अपर पुलिस उपायुक्त जितेंद्र कुमार दुबे उपस्थित रहे। उन्होंने सावरकर के राष्ट्र प्रथम के विचारों को आज के युवाओं के लिए प्रेरणादायी बताया और कहा कि सावरकर का जीवन संघर्ष, त्याग और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण की मिसाल है। एडीसीपी दुबे ने मातृभूमि की सेवा को सर्वोच्च कर्तव्य बताते हुए उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सावरकर ने काला पानी की यातनाओं को सहकर भी देश की आजादी का सपना नहीं छोड़ा। उनका सामाजिक समरसता और अखंड भारत का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण रहे।

अध्यक्षता महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने की। मुख्य वक्ता 'माय होम इंडिया' के संस्थापक सुनील देवधर ने सावरकर के जीवन दर्शन को विस्तार से साझा किया। पूर्व बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री प्रो. सतीश द्विवेदी भी मंच पर मौजूद रहे। सायं 5 बजे शुरू हुए इस गरिमामय आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों ने सपरिवार हिस्सा लिया और राष्ट्र निर्माण का संकल्प दोहराया। वक्ताओं ने सावरकर के हिंदुत्व, इतिहास लेखन और समाज सुधार के योगदान को याद किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राम प्रताप सिंह, आलोक रंजन सिंह और अखिल चतुवेर्दी की अहम भूमिका रही।

पूर्व विधायक के घर पहुंचे पूर्व मंत्री, जाना कुशलक्षेम

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया के लोकप्रिय पूर्व विधायक एवं भाजपा वरिष्ठ भाजपा नेता व जनसेवा के पर्याय सुरेंद्र नारायण सिंह के पैर में फ्रैक्चर होने की सूचना प्राप्त होने पर बलिया के पूर्व विधायक एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उपेंद्र तिवारी औढ़े स्थित उनके आवास पर पहुंचकर कुशलक्षेम जाना तथा शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।यह आत्मीय मुलाकात भारतीय जनता पार्टी की पारिवारिक भावना, आपसी सम्मान और कार्यकताओं एवं नेताओं के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। जनसेवा और संगठन

के प्रति समर्पित ऐसे व्यक्तित्व समाज और राजनीति दोनों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।ईश्वर से प्रार्थना है कि सुरेंद्र नारायण सिंह शीघ्र पूर्णतः स्वस्थ होकर पुनः जनसेवा के कार्यों में सक्रिय हों। प्रभु श्री काशी विश्वनाथ एवं माँ गंगा की कृपा सदैव उन पर बनी रहे।

इस दौरान पूर्व किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष उदय भान सिंह उदल, पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय दुबे प्रधान, दीपक सिंह, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष विकास दुबे, अनूप इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

मेधावी छात्रों का सम्मान, वाराणसी में मिला पुरस्कार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रदेश के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के लिए वाराणसी के सर्किट हाउस में समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल माध्यम से विद्यार्थियों को संबोधित कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने जिले के टॉप-10

में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और 21 हजार रुपये का चेक देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनकी मेहनत, लगन और अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। वहीं हाईस्कूल टॉपर अंशिका यादव ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता को देते हुए बताया कि नियमित पढ़ाई और परिवार के सहयोग से उन्हें यह उपलब्धि हासिल हुई।

शादी का दबाव बनाकर युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी की हुई गिरफ्तारी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के भेलूपुर थाना क्षेत्र में एक युवती को शादी के लिए लगातार दबाव बनाने तथा कथित रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। थाना भेलूपुर पुलिस टीम ने मामले में नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में खोजवा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मनोज कुमार चौहान की भूमिका को स्थानीय लोगों द्वारा सराहनीय बताया जा रहा है। पुलिस आयुक्त वाराणसी द्वारा अपराधों की रोकथाम, वांछित एवं फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा महिला संबंधी अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त काशी जोन के निर्देशन, अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त भेलूपुर एवं प्रभारी निरीक्षक भेलूपुर के नेतृत्व में थाना भेलूपुर पुलिस टीम ने अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, वादी द्वारा थाना भेलूपुर में दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया था कि उनकी पुत्री पर एक युवक लगातार शादी करने का दबाव बना रहा था। युवती द्वारा विवाह से इंकार किए जाने पर आरोपी द्वारा उसे धमकियां दी जाती थीं। आरोप है कि लगातार मानसिक दबाव और प्रताड़ना के चलते युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और प्राप्त तथ्यों के आधार पर मुकदमा दर्ज किया। इस संबंध में थाना भेलूपुर पर मु0अ0सं0 0326/2026, धारा 108 भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने मंगलवार को नूर नगर कब्रिस्तान के पास से अभियुक्त अनुकेश तिवारी उर्फ हर्ष तिवारी को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अनुकेश तिवारी उर्फ हर्ष तिवारी पुत्र चंदन तिवारी निवासी किरहिया, खोजवां दाहा चौक, थाना भेलूपुर, वाराणसी के रूप में हुई है। उसकी उम्र लगभग 19 वर्ष बताई गई है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की विवेचना जारी है और सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। जांच के दौरान प्राप्त होने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि महिलाओं और युवतियों के खिलाफ होने वाले अपराधों को लेकर कमिश्नरेट पुलिस पूरी तरह संवेदनशील है और ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इस सफल गिरफ्तारी में प्रभारी निरीक्षक दुर्गा सिंह, खोजवा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मनोज कुमार चौहान, हेड कांस्टेबल करुणानिधान तथा कांस्टेबल सौरभ कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विशेष रूप से चौकी प्रभारी मनोज कुमार चौहान द्वारा की गई सक्रिय निगरानी, सूचना संकलन और त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में चर्चा हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की तत्परता से मामले में शीघ्र गिरफ्तारी संभव हो सकी, जिससे पीड़ित परिवार को न्याय की उम्मीद जगी है। कमिश्नरेट पुलिस की इस कार्रवाई को कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों में भय पैदा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मड़ियाहूं तहसील में डीएम का औचक निरीक्षण, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने मंगलवार को मड़ियाहूं तहसील का औचक निरीक्षण कर विभिन्न कार्यालयों एवं न्यायालयों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अभिलेखों, रजिस्टरों और पत्रावलियों की जांच करते हुए अधिकारियों को सभी अभिलेख अद्यतन एवं सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

डीएम ने एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार न्यायालयों में लंबित वादों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आपूर्ति कार्यालय, नजारत, संग्रह अनुभाग तथा रिकॉर्ड रूम का भी निरीक्षण किया। तहसील परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए जिलाधिकारी ने नियमित स्वच्छता बनाए रखने और आमजन को भी इसके प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फरियादियों की शिकायतों का त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण प्रशासन की प्राथमिकता है। अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं से संवाद करते हुए डीएम ने न्यायालयों के सुचारु संचालन और वादों के समयबद्ध निस्तारण में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका बताई। उन्होंने बेहतर समन्वय स्थापित कर जनता को शीघ्र न्याय दिलाने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी नवीन कुमार, तहसीलदार राकेश कुमार सहित तहसील प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएनजी कंटेनर और पेंट लदे ट्रक की टक्कर, दमकल कर्मियों ने चालक को सुरक्षित निकाला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइनबाजार थाना क्षेत्र के सिहीपुर स्थित लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर मंगलवार तड़के हुए सड़क हादसे में एक बड़ा अनहोनी टल गई। सुबह करीब 4:19 बजे क्ष्ठअऋढ्ढछ के सीएनजी लोडेड कंटेनर और पेंट लदे ट्रक के बीच टक्कर हो गई। हादसे में ट्रक चालक केबिन में फंस गया, जबकि सीएनजी कंटेनर से गैस रिसाव शुरू हो गया।

सूचना मिलते ही फायर स्टेशन चौकियां से अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अग्निशमन द्वितीय अधिकारी सतहरिया के नेतृत्व में राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद केबिन में फंसे चालक को जीवित बाहर निकालकर एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया।

साथ ही क्ष्ठअऋढ्ढछ की तकनीकी टीम से संपर्क कर सीएनजी कंटेनर से हो रहे रिसाव को पूरी तरह बंद कराया गया। समय रहते की गई कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

मौके पर एफएसएसओ अनिल कुमार, एलएफएम धर्मेश राय, चालक कुलदीप पांडेय, फायरमैन धर्मेंद्र कुमार, रविकांत, रविंद्र कुमार, चालक सनोज कुमार सहित स्थानीय पुलिस बल मौजूद रहा।

जौनपुर कोतवाली को मिला नया नेतृत्व, त्रिवेणी सिंह ने संभाला कार्यभार

प्रियेश गुप्ता रुद्र
जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली जौनपुर में निरीक्षक त्रिवेणी सिंह ने प्रभारी निरीक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर हुई इस नियुक्ति के बाद शहर की कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की उम्मीद जताई जा रही है।

कार्यभार संभालने के बाद प्रभारी निरीक्षक त्रिवेणी सिंह ने कहा कि आमजन की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाएगी तथा फरियादियों की समस्याओं का त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाया जाएगा। साथ ही महिला सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे। नगरवासियों ने नए कोतवाल का स्वागत करते हुए उनसे जनसुनवाई और बेहतर पुलिसिंग की अपेक्षा जताई है। वहीं पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी हैं। नए प्रभारी निरीक्षक के कार्यभार ग्रहण करने से शहर में सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस-जन संवाद को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

शाहगंज पुलिस ने सराफा कारोबारियों, होटल संचालकों व पेट्रोल पंप प्रबंधकों के साथ की बैठक

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को कोतवाली शाहगंज परिसर में क्षेत्राधिकारी की अध्यक्षता एवं प्रभारी निरीक्षक शाहगंज की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में थाना क्षेत्र के सराफा व्यवसायी, ग्राहक सेवा केंद्र संचालक, व्यापारी, होटल प्रबंधक तथा पेट्रोल पंप संचालक एवं प्रबंधक शामिल हुए। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने सभी उपस्थित लोगों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देशों से अवगत कराया तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

अधिकारियों ने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे सुचारु रूप से संचालित रखने, सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा किसी भी आपात स्थिति में पुलिस से तत्काल संपर्क करने के निर्देश दिए। साथ ही जनहित एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उच्चाधिकारियों द्वारा जारी आदेश-निर्देशों की जानकारी भी साझा की गई।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि व्यापारियों एवं आमजन के सहयोग से ही क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा सकता है। बैठक के दौरान उपस्थित लोगों ने भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपने सुझाव रखे और पुलिस प्रशासन को सहयोग का आश्वासन दिया।

सोनालीका ने मई में 17204 ट्रैक्टरों की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने वित्त वर्ष 2027 में अपनी रफ्तार को और तेज करते हुए मई की अब तक की सर्वाधिक 17,204 ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज की है और 21 प्रतिशत वृद्धि दर्ज करते हुए उद्योग के प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया है। सोनालीका की यह नई उपलब्धि किसानों को 'जीतने का दम' देने पर ब्रांड के निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है और भारत को कृषि महाशक्ति बनाने की दिशा में कंपनी की महत्त्वपूर्ण भूमिका को और मजबूत करती है कंपनी ने भारत में आगामी खरीफ सीजन की तैयारी के उपलक्ष में 17,029 ट्रैक्टरों का अब तक का सर्वाधिक मासिक उत्पादन भी दर्ज किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए, रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने कहा, ह्लहमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हमने मई की अब तक की सर्वाधिक 17,204 ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज की है, जो कुल 21 प्रतिशत वृद्धि द्वारा संभव हुई और हमने उद्योग के प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया है।

मुंबई में बारबरा ओ'नील के सेहत कार्यक्रम में उमड़े 350 से अधिक स्वास्थ्य-प्रेमी

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त प्राकृतिक स्वास्थ्य शिक्षिका बारबरा ओ'नील ने नरीमन पॉइंट स्थित यशवंतराव चव्हाण सेंटर में आयोजित डाइजेस्ट विद ईज 2026 - द गट हेल्थ रिवोल्यूशन पावर्ड बाय ऐस ब्लेंड का सफल समापन किया। इस विशेष सेहत कार्यक्रम में 350 से अधिक लोगों ने भाग लिया और स्वास्थ्य, पोषण तथा समग्र उपचार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। एम्पावर लिविंग और अवेकन योर सोल के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम को लोगों ने बेहद पसंद किया। इसमें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों, सेहत विशेषज्ञों, उद्यमियों और कई जानी-मानी हस्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अभिनेत्री हेलन, अलवीरा खान अग्निहोत्री, मिनी माथुर और सोफी चौधरी विशेष तौर पर मौजूद रहीं, जिससे लोगों में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और बेहतर जीवनशैली अपनाने की रुचि साफ दिखाई दी।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बारबरा ओ'नील का मुख्य भाषण रहा, जिसमें उन्होंने पाचन तंत्र के स्वास्थ्य, पोषण, प्राकृतिक उपचार और ऐसी जीवनशैली के बारे में जानकारी दी जो शरीर की प्राकृतिक उपचार क्षमता को मजबूत बनाने में सहायक होती है। उनके विचारों को उपस्थित लोगों ने काफी सराहा।

इस अवसर पर आयोजित एक विशेष चर्चा में दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन पर शोध करने वाले विशेषज्ञ डॉ. सजीव नायर, सेलिब्रिटी पिलाटेस प्रशिक्षक यास्मिन कराचीवाला और फंक्शनल न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. शिखर पंतजलि ने भाग लिया। चर्चा के दौरान पाचन, शारीरिक गतिविधि, तनाव प्रबंधन और जीवनशैली की आदतों के बीच संबंधों पर विस्तार से अपने विचार रखे गए।

समग्र स्वास्थ्य और निवारक देखभाल पर केंद्रित इस कार्यक्रम ने पाचन स्वास्थ्य, निवारक स्वास्थ्य देखभाल और प्राकृतिक उपचार जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा को बढ़ावा दिया। साथ ही कार्यक्रम में बोलने वालों ने लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए व्यावहारिक सलाह और उपयोगी जानकारी प्रदान की। बड़ी संख्या में हुई भागीदारी ने यह भी दशार्या कि भारत में वैज्ञानिक तथ्यों और समग्र दृष्टिकोण पर आधारित वेलनेस शिक्षा की मांग लगातार बढ़ रही है। कार्यक्रम के बाद बारबरा ओ'नील ने कहा, श्मुंबई में मिले शानदार स्वागत और उत्साहजनक प्रतिक्रिया के लिए मैं बेहद आभारी हूं। इतने लोगों को पाचन स्वास्थ्य और प्राकृतिक उपचार के बारे में सीखने के लिए एक साथ आते देखना यह दर्शाता है कि निवारक और समग्र स्वास्थ्य के प्रति लोगों की रुचि तेजी से बढ़ रही है। मुझे उम्मीद है कि यहां साझा की गई जानकारी लोगों के स्वास्थ्य और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करेगी।

बहुचर्चित दूल्हा हत्याकांड में आरोपियों को झटका, शोले राजभर और विकास यादव की जमानत खारिज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बहुचर्चित और सनसनीखेज दूल्हा हत्याकांड में मुख्य आरोपियों को अदालत से बड़ा झटका लगा है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशील कुमार शशि ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य आरोपी शोले राजभर और विकास यादव की जमानत याचिका निरस्त कर दी है। यह मामला खेतासराय थाना क्षेत्र का है, जहां शादी समारोह के दौरान दूल्हे की सरेआम हत्या कर दी गई थी। इस घटना ने पूरे जिले में सनसनी फैला दी थी और कानून-व्यवस्था को लेकर व्यापक चर्चा हुई थी।

अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने दोनों आरोपियों को जमानत देने से इंकार कर दिया। न्यायालय के इस फैसले के बाद आरोपियों के पक्ष में चल रही जमानत की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। अदालत के आदेश के बाद मामले की सुनवाई आगे भी जारी रहेगी। वहीं, पीड़ित पक्ष ने न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए इसे न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

मानव कल्याण शक्ति ज्योति फाउंडेशन एनजीओ द्वारा नि:शुल्क सार्वजनिक रुद्राभिषेक सम्पन्न

रोहित गुप्ता
नालासोपारा। पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) की पावन पूर्णिमा के अवसर पर मोरेगांव स्थित जिजाई नगर के आजोबा नागेश्वर महादेव मंदिर में रविवार को श्रद्धा, भक्ति और वैदिक परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्था मानव कल्याण शक्ति ज्योति फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित निःशुल्क रुद्राभिषेक एवं अतिरुद्र महायज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया तथा विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।

सुबह 9 बजे से सायंकाल 4 बजे तक चले इस दिव्य अनुष्ठान में कर्मकांडी ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं रुद्रपाठ से पूरा मंदिर परिसर शिवमय हो उठा। भगवान शिव के जयकारों और हवन की पवित्र आहुतियों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की सक्रिय सहभागिता ने सनातन संस्कृति के प्रति उनकी आस्था और समर्पण को प्रदर्शित किया।

संस्था पदाधिकारियों ने बताया कि मानव कल्याण शक्ति ज्योति फाउंडेशन केवल महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात और ओडिशा सहित विभिन्न राज्यों में भी निःशुल्क धार्मिक एवं वैदिक अनुष्ठानों का आयोजन कर समाज को धर्म और संस्कारों से जोड़ने का कार्य कर रही है। संस्था द्वारा यज्ञोपवीत संस्कार, त्रिपिंडी श्राद्ध, पितृपक्ष पिंडदान, पितृ विसर्जन तथा श्रावणी उपाकर्म जैसे धार्मिक कर्मकांड भी निःशुल्क संपन्न कराए जाते हैं।

कार्यक्रम में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए संस्था द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से की गई थीं। श्रद्धालुओं ने संस्था के इस सेवा एवं धर्म कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत करने वाला प्रेरणादायी प्रयास बताया।

इस सफल आयोजन में संस्था के संस्थापक आचार्य धर्मराज पांडेय, राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवदत्त पांडेय, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष बागेश पांडेय तथा प्रदेश महामंत्री अभय शुक्ल के मार्गदर्शन में मुख्य आयोजक जितेन्द्र दूबे, राम सुरेश दूबे, रोहित गुप्ता एवं शशिकांत मिश्रा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही राजकुमार मिश्रा, अरुण सिंह, अरविंद शुक्ल, विश्वदेव मिश्र, अनिल तिवारी, सुधीर सिंह, देवीकांत पांडे, अंतीमा मिश्रा, हिरा पांडे, संतोषी मिश्रा, पं. धनंजय मिश्रा, प्रभात मिश्रा, पं. जितेन्द्र मिश्रा, पंकज पांडेय, रूद्र पांडे, हर्ष पांडे, अनंत शुक्ल, अनन्य शुक्ल, आर्यन मिश्रा, आलोक चौबे, विशाल सिंह, सत्यप्रकाश तिवारी, आशीष दूबे, कृष्णा, सनी सहित संस्था के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रेम चौबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों का भी सराहनीय सहयोग रहा। धर्म, सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला यह आयोजन क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना रहा तथा श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत कर गया।

उत्तरशक्ति उपसंपादक के सहयोग से खोई बच्ची पहुंची अपने माता-पिता के पास

उत्तरशक्ति (मुंबई)। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां लोगों के पास समय का अभाव रहता है, वहीं मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का एक सराहनीय उदाहरण बोरीवली रेलवे स्टेशन पर देखने को मिला। बोरीवली स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक-1 के पास लगभग छह वर्षीय बालिका आराध्या रोते हुए और अत्यंत परेशान अवस्था में उत्तरशक्ति के उपसंपादक रमेश प्रजापति को मिली। बच्ची की स्थिति देखकर उन्होंने बिना समय गंवाए तत्काल स्टेशन मास्टर कार्यालय से संपर्क किया तथा रेलवे स्टेशन पर उसकी जानकारी का अनाउंसमेंट करवाया। इसके साथ ही जीआरपी, आरपीएफ एवं संबंधित विभागों से लगातार संपर्क साधते हुए बच्ची के परिजनों की तलाश शुरू की गई। लगभग दो घंटे की कड़ी मेहनत और सतत प्रयासों के बाद बच्ची के माता-पिता का पता लगाया गया, जो नालासोपारा के गाला नगर क्षेत्र के निवासी हैं। अंततः बच्ची को सकुशल उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। अपनी बेटी को सुरक्षित पाकर माता-पिता ने राहत की सांस ली और उत्तरशक्ति के उपसंपादक रमेश प्रजापति सहित सभी सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

शेख फाउंडेशन की ओर से ईद-उल-अजहा डिनर दावत का भव्य आयोजन

मुंबई। ईद-उल-अजहा के मुबारक मौके पर मुंबई के साकीनाका स्थित होटल हॉलिडे इन में शेख फाउंडेशन और 3ट एल्लश्री१स्त्र१रीर ढ५३. छश्री. की ओर से एक भव्य ईद डिनर दावत का आयोजन किया गया। इस शानदार समारोह की मेजबानी समाजसेवी मुश्ताक शेख ने की, जिसमें मुंबई की कई प्रतिष्ठित हस्तियों, सामाजिक कार्यकताओं, राजनीतिक नेताओं और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोगों ने शिरकत कर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। इस आयोजन के प्रमुख आयोजकों में अशफाक शेख, मुश्ताक शेख और शेख फाउंडेशन के ट्रस्टीगण शामिल रहे। वहीं फाउंडेशन के युवा अध्यक्ष वकार शेख और स्टूडेंट विंग अध्यक्ष मोइन शेख ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

इस गरिमामयी शाम में दैनिक मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान, पूर्व विधायक वारिस पठान, चांदिवली विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिलीप लांडे, कॉर्पोरेटर सोमनाथ सांगले, प्रख्यात इस्लामी विद्वान मुफ्ती मंजूर ज़ियाई, एडवोकेट शाहबाज दिलशाद खान, सलीम मापक्हान, डॉ. साबिर सैयद, अभिजीत राणे, साजिद पटेल, फारूक कलाडिया सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मेहमानों ने आपसी भाईचारे और मोहब्बत के साथ ईद-उल-अजहा की शुभकामनाएं साझा कीं तथा देश की तरक्की, अमन और सामाजिक सौहार्द के लिए दुआएं कीं। इस अवसर पर हिंदू-मुस्लिम एकता और गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत झलक देखने को मिली, जिसने समारोह को खास बना दिया। दैनिक मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान ने मुश्ताक शेख और शेख फाउंडेशन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में प्रेम, सद्भाव और इंसानी रिश्तों को मजबूत करने का माध्यम बनते हैं। ईद की इस यादगार महफिल में मौजूद मेहमानों ने आयोजकों को सफल कार्यक्रम के लिए बधाई दी और भविष्य में भी इसी तरह समाज को जोड़ने वाले आयोजनों की उम्मीद जताई।

पीयू संबद्ध कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, समर्थ पोर्टल पर करे आवेदन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। इच्छुक अभ्यर्थी 2 जून से समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। कुलपति प्रो. वंदना सिंह के निर्देश पर प्रवेश प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं छात्र हितैषी बनाने के उद्देश्य से सभी संबद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश समर्थ पोर्टल के माध्यम से कराया जाएगा। आवेदन करने के लिए अभ्यर्थियों को सबसे पहले पोर्टल पर पंजीकरण कर अपनी प्रोफाइल पूर्ण करनी होगी। इसके बाद वे अपनी पसंद के महाविद्यालय एवं विषय का चयन कर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार समर्थ पोर्टल का लिंक विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। अभ्यर्थी निर्धारित दिशा-निदेर्शों का पालन करते हुए आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया समर्थ पोर्टल के माध्यम से ही संचालित की जाएगी। ऐसे में प्रवेश के इच्छुक छात्र-छात्राओं से समय रहते आवेदन करने की अपील की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने से आवेदन प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और अधिक प्रभावी बनेगी तथा अभ्यर्थियों को घर बैठे आवेदन करने की सुविधा मिलेगी।

एसडीएम कुणाल गौरव की पहल से वर्षों पुराना नाली व भूमि विवाद समाप्त, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

विशाल सोनी
शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रशासन की सक्रिय पहल और राजस्व टीम के लगातार प्रयासों से वर्षों से चला आ रहा नाली एवं भूमि विवाद आखिरकार सुलझ गया। कोतवाली क्षेत्र के पश्चिमी कौड़िया में जावेद पुत्र हनीफ का लंबे समय से चल रहे इस विवाद के समाधान से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जावेद द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया गया था कि गाटा संख्या 1344 व 1339 से संबंधित भूमि और नाली को लेकर काफी समय से विवाद चला आ रहा था। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम कुणाल गौरव के निर्देशन में राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। दोनों पक्षों की बात सुनी गई और राजस्व अभिलेखों के आधार पर निष्पक्ष कार्रवाई की गई।

एसडीएम कुणाल गौरव के कुशल निर्देशन में कानूनगो सेवालाल, लेखपाल राकेश यादव, श्याम सुंदर, ब्रिज किशोर, उपेंद्र कुशवाहा, ऋतुराज तथा संतोष बिन्द ने लगातार कई दौर की बैठकों, पैमाइश और वार्ता के माध्यम से विवाद को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम ने मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया और दोनों पक्षों को समझाकर सहमति बनाने का प्रयास किया।

राजस्व टीम की मेहनत रंग लाई और वर्षों से चले आ रहे नाली एवं भूमि विवाद का शांतिपूर्ण समाधान हो गया। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि लंबे समय से विवाद के कारण गांव में तनाव का माहौल बना रहता था, लेकिन अब समाधान होने से सामाजिक सौहार्द मजबूत होगा।

एसडीएम कुणाल गौरव ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल विवादों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि गांवों में आपसी भाईचारा और शांति बनाए रखना भी है। वहीं राजस्व टीम के सदस्यों के अथक प्रयासों की ग्रामीणों ने खुलकर प्रशंसा की और उन्हें धन्यवाद दिया।

अयोध्या नरहन मंदिर के पीठाधीश्वर पर पूज्य श्री आचार्य कौशलेद्रा चार्य शिवपुरी में

मध्यप्रदेश (उत्तर शक्ति)। मध्यप्रदेश के शिवपुरी के पावन धरा पर पूज्यश्री नरहन पीठ अयोध्या धाम के कुल गुरु कौशलकिशोर दास शिष्य भगवान सिंह रावत, निलेश रावत शिवपुरी मध्य प्रदेश के धीरज सिंह रावत, महेश रावत कबीरखेड़ी शिवपुरी के यहां महाराज जी के सानिध्य में गुरु मंत्र व भागवत कथा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रखा गया है। पीढ़ी के कुल पुज्य अनंत विभूषित सद्गुरु देव का सानिध्य प्राप्त हुआ। गुरु जी के साथ में अयोध्या के आचार्य पंडित आशुतोष मिश्र अधिवक्ता के साथ पधारे हुए हैं। गुरु आचार्य कौशलेद्राचार्य ने देश के सामाजिक विषमता फैलाने वाले को फटकार लगाते हुए कहा कि राजनीति के कारण शूद्र को चतुर्थ श्रेणी में डाल कर नीच बना दिया गया , जबकि शूद्र नीच कभी नहीं था।

भगवान के चरणों में प्रगट हो कर गंगा जी पतित पावनी हो गई तो उन्हीं चरणों में प्रगट हो कर शूद्र अछूत कैसे हो सकता है। शूद्र सर्वकाल में पवित्र होता है। क्यों कि पूजा भगवान के चरण की होती है।

स्नेहा दुबे पंडित ने मंत्रालय में मुख्यमंत्री से वसई ग्रीन बेल्ट के लिए की मुलाकात

मुंबई। मंत्रालय, नरीमन पॉइंट में कैबिनेट मीटिंग के बाद सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहा दुबे पंडित ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर वसई क्षेत्र की ग्रीन बेल्ट, पेड़ों के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष वसई की ग्रीन बेल्ट में बढ़े हुए एफएसआई (FSI) को कम करने तथा ग्रीन एरिया को सुरक्षित रखने संबंधी एक महत्वपूर्ण बयान प्रस्तुत किया गया। स्नेहा दुबे पंडित ने मांग की कि वसई के इकोलॉजिकल बैलेंस को बनाए रखने के लिए ग्रीन बेल्ट और पेड़ों के संरक्षण पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह भी अनुरोध किया कि इन सभी मुद्दों पर गहन अध्ययन कर उचित निर्णय लेने के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया जाए, ताकि पर्यावरण और विकास के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस विषय को गंभीरता से सुना और सकारात्मक रुख अपनाते हुए जल्द आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा दिया।

1701 लोगों को अटल पेंशन योजना से जोड़ा, लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित

-सुरेश गांधी

वाराणसी। असंगठित क्षेत्र के लोगों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने की दिशा में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के तहत सोमवार को अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के लाभार्थियों को योजना से जोड़ने के प्रमाण-पत्र एवं चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह ने की। सीडीओ ने कहा कि केंद्र सरकार की अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा का मजबूत माध्यम बन रही है। उन्होंने बताया कि 1 जून 2026 को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, वाराणसी अंचल की ओर से शाखा स्तर पर आयोजित विशेष शिविर में एक ही दिन में 1701 लोगों का नामांकन कर उन्हें अटल

पेंशन योजना से जोड़ा गया।

कार्यक्रम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक टी. कामेश्वर राव तथा क्षेत्र प्रमुख शैलेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में वाराणसी क्षेत्र की 63 शाखाओं और 350 से अधिक बैंक मित्रों (बीसी) की सक्रिय भागीदारी की सराहना की गई। बैंक अधिकारियों ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 4000 से अधिक लोगों को अटल पेंशन योजना से जोड़ा जा चुका है।

18 से 40 वर्ष तक के लोग कर सकते हैं नामांकन

अधिकारियों ने बताया कि अटल पेंशन योजना में 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, कामगार और आम नागरिक पात्र हैं। योजना के तहत 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर लाभार्थी को प्रति माह 1000 रुपये से 5000 रुपये तक की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाती है। साथ ही जमा राशि पर मिलने वाले लाभ का भुगतान भी निर्धारित प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

बैंक अधिकारियों ने उदाहरण देते हुए बताया कि यदि कोई व्यक्ति 18 वर्ष की आयु में योजना से जुड़ता है और निर्धारित अंशदान जमा करता है, तो उसे सेवानिवृत्ति के बाद नियमित पेंशन के साथ नामित व्यक्ति को भी आर्थिक लाभ प्राप्त होता है। इससे परिवार की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

क्षेत्र प्रमुख शैलेंद्र कुमार ने कहा कि यूनियन बैंक का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़कर उनमें आत्मविश्वास और आर्थिक सुरक्षा की भावना विकसित करना है। अग्रणी जिला प्रबंधक अविनाश अग्रवाल ने बताया कि अभियान के तहत गांवों में चौपाल, बैंकिंग जागरूकता कार्यक्रम और बीएलबीसी बैठकों के माध्यम से लोगों को अटल पेंशन योजना की जानकारी दी जा रही है। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि वाराणसी जनपद में अब तक विभिन्न बैंकों के माध्यम से लगभग 2.40 लाख लोगों को अटल पेंशन योजना से जोड़ा जा चुका है। अभियान की सफलता में अनुराग रंजन का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष योजना ढोकले का जन्मदिन मनाया गया

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी मुंबई महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती योजना ढोकले का जन्मदिन दादर स्थित भाजपा कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिला मोर्चा कार्यकताओं, व्यापारियों एवं भाजपा पदाधिकारियों ने उन्हें संदेश, फोन तथा व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। विशेष रूप से मुंबई भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष श्रीमती रंजु झा ने योजना ढोकले के कार्यालय पहुंचकर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया। साथ ही बिहार की शान पारंपरिक पगड़ी पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया तथा लंबी एवं स्वस्थ आयु की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में भाजपा के कई सम्मानित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें आमदार अमित साटम, राजेश शिरवाडकर, महिला मोर्चा मुंबई टीम की महामंत्री अंकिता चौधरी, राजवी नाइक, शलाका, पायल शाह, सारिका पवार, अंगा चंगाले, ज्योति एवं पूनम हदसर सहित अनेक पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर योजना ढोकले को जन्मदिन की बधाई दी। सभी उपस्थित लोगों ने उनके नेतृत्व की सराहना करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने की कामना की।

होम क्रेडिट इंडिया ने बताई अपने भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए फिज़ूलखर्ची से बचने की 3 आदतें और अपनाने वाली 3 स्मार्ट आदतें

मुंबई। अस्थिर बाजारों, बढ़ती महंगाई और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के इस दौर में, वित्तीय रूप से मजबूत होना अब कोई विकल्प नहीं बल्कि बेहद जरूरी हो गया है। इसके बावजूद, लंबी अवधि की संपत्ति के लिए सबसे बड़ा खतरा शायद ही कभी बाहरी दुनिया से आता है, यह हमारे रोजमर्रा के खर्च करने के व्यवहार में छिपा होता है। अपनी वित्तीय स्थिति को एक 'स्पेंड-ओ-मीटर' की तरह समझें—एक ऐसा पैमाना जो यह ट्रैक करता है कि आपकी कमाई कितनी तेजी से खर्च हो रही है। यदि इस पर ध्यान न दिया जाए, तो यह चुपचाप उस वित्तीय बुनियाद को कमजोर कर देता है जिसे आप बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यहाँ बताया गया है कि आपको किन बातों पर ध्यान देना है और अपनी वित्तीय स्थिति पर दोबारा नियंत्रण कैसे पाना है। वन-क्लिक चेकआउट, सेम-डे डिलीवरी और हमे लक्ष्य करने वाले एल्गोरिद्मिक विज्ञापनों ने खर्च करना बेहद आसान बना दिया है। वह बिना योजना के खरीदा गया गैजेट, देर रात का फूड ऑर्डर, या वह फ्लैश सेल जिसे आप ₹छोड़ नहीं सकते थे₹—ये सब उस वक्त बहुत मामूली लगते हैं। लेकिन ये छोटे और लगातार होने वाले खर्च समय के साथ मिलकर आपकी बचत को बड़ा नुकसान पहुँचाते हैं। 'रिटेल थेरेपी' कभी-कभार के शौक से बदलकर अब एक आदत बन चुकी है। तनाव, बोरियत या एक खराब दिन अब कुछ ही सेकंड में खरीदारी में बदल सकता है। हालांकि इससे मिलने वाली अस्थायी राहत सच है, लेकिन इसका दीर्घकालिक नुकसान भी उतना ही सच है—लगातार भावनाओं में बहकर खर्च करने की आदत आपकी वित्तीय स्थिरता को धीरे-धीरे खत्म कर देती है। सैलरी बढ़ने पर आपकी बचत बढ़नी चाहिए। लेकिन अक्सर, इसके बजाय आपके खर्च बढ़ जाते हैं। जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे स्टेटस को अपग्रेड करने का दबाव भी बढ़ता है—जैसे बेहतर अपार्टमेंट, बड़ी कार या महंगे कपड़े। लाइफस्टाइल में आने वाला यह धीमा बदलाव एक ऐसी ट्रेडमिल बना देता है, जहाँ आप कमाते तो ज्यादा हैं, लेकिन कभी भी आर्थिक रूप से सार्थक रूप से आगे नहीं बढ़ पाते।

HPCL ने मई 2026 में 6.4% ईंधन बिक्री वृद्धि दर्ज की, प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ती मांग के बीच

मुंबई। भारत भर में ईंधन की मांग मई 2026 में वर्ष-दर-वर्ष 6.4% बढ़ी, जिसमें पेट्रोल (टर) की बिक्री में 3.4% और डीजल (HSD) में 8% की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि परिवहन, कृषि, माल ढुलाई और ग्रामीण गतिविधियों से बढ़ती मांग के कारण देखी गई। पूरे महीने के दौरान हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) ने बिना किसी आपूर्ति बाधा के इस बढ़ती मांग को पूरा किया। इस वृद्धि के पीछे देशव्यापी स्तर पर चल रहे बड़े पैमाने के ईंधन वितरण संचालन रहे। मई 2026 के दौरान HPCL ने अपने रिटेल नेटवर्क के माध्यम से 12,84,715 किलोलीटर पेट्रोल (MS) और 21,48,560 किलोलीटर डीजल (HSD) की आपूर्ति की। निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए कंपनी ने 2,35,441 ईंधन टैंकरों का संचालन किया, जिनमें टर, HSD और SKO-PDS शामिल रहे – यह औसतन प्रतिदिन 7,500 से अधिक टैंकर मूवमेंट के बराबर है, यानी लगभग हर 11 सेकंड में एक टैंकर। ये संचालन पूरे देश में राजमार्गों, शहरी क्षेत्रों, ग्रामीण बाजारों और दूरस्थ मार्गों तक लगातार जारी रहे। मई का महीना देश में परिचालन दृष्टि से चुनौतीपूर्ण माना जाता है। इस दौरान कई राज्यों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा, साथ ही खरीफ बुवाई अवधि के दौरान कृषि गतिविधियों में वृद्धि देखी गई। ट्रैक्टर, सिंचाई पंप और कृषि परिवहन में डीजल की मांग बढ़ी। इसके साथ ही माल ढुलाई और परिवहन गतिविधियों में भी तेजी रही, जिससे ईंधन की खपत और बढ़ी। एलपीजी के मोर्चे पर, HPCL ने मई 2026 में पूरे देश में 393 लाख घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति की। इनमें 5 किलोग्राम के 7,00,867 और 2 किलोग्राम के 35,795 सिलेंडर शामिल थे, जो छोटे उपभोक्ता वर्गों और उन क्षेत्रों में स्वच्छ रसोई ईंधन की पहुंच को मजबूत करते हैं जहाँ मानक 14 किलोग्राम सिलेंडर हमेशा उपयुक्त नहीं होते। कंपनी की डिजिटल प्रणाली ने भी बड़े पैमाने पर आपूर्ति दक्षता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवधि में 99.30% LPG बुकिंग्स ऑनलाइन माध्यम से प्रोसेस की गईं, जिससे आवंटन, ट्रैकिंग और डिलीवरी प्रक्रिया अधिक सुगम और तेज बनी।

सीएमओ की कुर्सी संभालते ही एक्शन मोड में डॉ. मुकेश कुमार

वाराणसी। जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा देने की उम्मीदों के बीच नव नियुक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. मुकेश कुमार ने मंगलवार को विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालते ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा कर अधिकारियों को जनहित में प्राथमिकता के आधार पर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वाराणसी के प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद आयोजित पहली समीक्षा बैठक में डॉ. मुकेश कुमार ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति का आकलन किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाया जाएगा। विशेष रूप से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, नियमित टीकाकरण, संचारी रोगों की रोकथाम तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता किसी भी जिले के विकास का महत्वपूर्ण पैमाना होती है। ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर आने वाले मरीजों को बेहतर और सम्मानजनक चिकित्सा सुविधाएं मिलें। इसके लिए स्वास्थ्य संस्थानों की नियमित समीक्षा, निरीक्षण और अनुश्रवण की व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

डॉ. मुकेश कुमार ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी केवल किसी एक अधिकारी की नहीं, बल्कि पूरे विभाग की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ करें, ताकि आम जनता का विश्वास सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में और मजबूत हो सके।

नव नियुक्त सीएमओ ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता और पहुंच बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। साथ ही रोगों की रोकथाम, जनजागरूकता और समयबद्ध उपचार की दिशा में भी विभाग सक्रिय भूमिका निभाएगा। कार्यभार ग्रहण समारोह के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया तथा जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग नई ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा।

डॉ. मुकेश कुमार ने कहा कि ₹जनहित सर्वोपरि है और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास किए जाएंगे। हमारा लक्ष्य है कि जनपद का प्रत्येक नागरिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सके और किसी भी मरीज को उपचार के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

डॉ. मुकेश कुमार की प्राथमिकताएं

-गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना

-मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना

-नियमित टीकाकरण अभियान को गति देना

- संचारी रोग नियंत्रण पर विशेष फोकस

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन

-सीएचसी, पीएचसी एवं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों की नियमित समीक्षा

-मरीजों को बेहतर और सम्मानजनक उपचार सुनिश्चित करना

हीरोज का जलवा, एसपीएल ट्रॉफी पर कब्जा

वाराणसी। डॉक्टर संपूर्णानंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की दूधिया रोशनी में सोमवार रात खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में हीरोज ने हर विभाग में शानदार प्रदर्शन करते हुए अमर साई गोरखपुर को 20 रन से पराजित कर 15वीं सिंधी प्रीमियर लीग (एसपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार योगदान देने वाले अमित मसंद को प्लेयर ऑफ द फाइनल चुना गया।

संत कवर राम सिंधी युवा समिति की ओर से आयोजित तीन दिवसीय इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में हीरोज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में चार विकेट पर 117 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से दीपेश वासवानी ने 43 रन की आकर्षक पारी खेली, जबकि प्रवेश आसुदानी ने 35 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अमर साई की ओर से भुवन सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 28 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

118 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमर साई गोरखपुर की टीम शुरूआत से ही दबाव में दिखाई दी। हीरोज के गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ के साथ विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। नतीजा यह रहा कि अमर साई की टीम निर्धारित 10 ओवर में सात विकेट पर 97 रन ही बना सकी। अमित मसंद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मात्र नौ रन खर्च कर तीन महत्वपूर्ण विकेट झटके और जीत के नायक बने। करण आडवाणी और निहाल ने भी दो-दो विकेट लेकर अमर साई की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

सेमीफाइनल में भी दिखा था हीरोज का दम

फाइनल से पहले खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में हीरोज ने एसएपीएल को 37 रन से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया था। इस मैच में हीरोज के बल्लेबाजों ने जमकर रन बरसाए। दीपेश वासवानी ने नाबाद 45 रन, करण आडवाणी ने 40 रन और अमित ने 29 रन बनाकर टीम को 10 ओवर में तीन विकेट पर 154 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए एसएपीएल की टीम सात विकेट पर 117 रन ही बना सकी। राहुल उतरानी ने 30 और देवेश इसरानी ने 24 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। हीरोज की ओर से दीपेश वासवानी और हितेश चेलानी ने दो-दो विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी।

पहले सेमीफाइनल में अमर साई गोरखपुर ने सीए जय प्राधवानी इलेवन को 31 रन से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। अमर साई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में दो विकेट पर 159 रन का विशाल स्कोर बनाया। अमर खटवानी ने 40, तरुण सावलानी ने 33, सागर रामवानी ने 32 और हितेश रगनानी ने 26 रन की तेजतर्रार पारियां खेलीं। जवाब में सीए जय प्राधवानी इलेवन सात विकेट पर 128 रन ही बना सकी।

व्यूसॉनिक ने एआई-संचालित IN05 सीरीज ईडीएलए इंटरैक्टिव डिस्प्ले लॉन्च किए

मुंबई। विजुअल और एडटेक समाधानों की अग्रणी वैश्विक प्रदाता ViewSonic Corp ने भारत में अपनी नई AI-संचालित IN05 सीरीज व्यूबोर्ड – IN6505-N (65"), IN7505-N (75") और IN8605-N (86") लॉन्च की है। आधुनिक कक्षाओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए ये प्रीमियम 4ङ ईडीएलए इंटरैक्टिव डिस्प्ले उन्नत अकशिक्षण एवं सहयोगी उपकरणों को शक्तिशाली प्रदर्शन के साथ जोड़ते हैं, जिससे अधिक स्मार्ट, सहज और आकर्षक शिक्षण अनुभव उपलब्ध कराया जा सके।

नई एआई-संचालित IN05 सीरीज व्यूबोर्ड में विशेष रूप से शिक्षण वातावरण के लिए विकसित एआई-आधारित टूल्स का एक व्यापक सेट शामिल है, जो सीखने के अनुभव को समृद्ध और रोचक बनाता है। इसके अंतर्गत मिलने वाली 'स्मार्ट शिक्षण सहायता' के रूप में 'आस्क एआई' एक शक्तिशाली वॉयस असिस्टेंट की तरह कार्य करता है। इसकी मदद से शिक्षक वॉयस कमांड, स्मार्ट पेन वॉयस कैप्चर या कीबोर्ड इनपुट के माध्यम से फाइलें खोलने, आकृतियाँ बनाने, सेटिंग्स बदलने या पेन का रंग बदलने जैसे कार्य सहजता से कर सकते हैं। इसी तरह, 'वीडियो पायलट' फीचर वीडियो-आधारित शिक्षण को बेहतर बनाने के लिए स्वचालित रूप से संरचित सारांश, टाइम-स्टैम्प्ड सबटाइटल्स और क्लिक करने योग्य नेविगेशन पॉइंट्स तैयार करता है। कक्षा में छात्रों की सहभागिता बढ़ाने के लिए इसमें 'एआई पेंटर' दिया गया है, जो वॉयस, पेन या टेक्स्ट इनपुट के माध्यम से इंटेलिजेंट ड्रॉइंग सहायता प्रदान करता है, जबकि 'एआई माइंड मैप' केवल एक कीवर्ड, विषय या छवि से तुरंत संरचित माइंड मैप तैयार कर देता है; ये दोनों टूल्स ब्रेनस्टॉर्मिंग और लेसन प्लानिंग को अधिक इंटरैक्टिव बनाते हैं। इसके अतिरिक्त, छात्रों की सीखने की प्रक्रिया को तेज और सरल बनाने के लिए 'त्वरित सहायक शिक्षण एवं समस्या समाधान' के टूल्स दिए गए हैं। इनमें 'सर्कल गो' फीचर की मदद से किसी भी कंटेंट या गणितीय प्रश्न के चारों ओर गोला बनाकर उसका चरण-दर-चरण समाधान और संबंधित संसाधन तुरंत प्राप्त किए जा सकते हैं। साथ ही, 'कैलकुलेटर प्रो' हस्तलिखित समीकरणों और ज्यामितीय गणनाओं को स्वाभाविक रूप से हल करता है, जबकि 'लाइव सबटाइटल' स्थानीय और ऑनलाइन वीडियो के लिए रियल-टाइम में बहुभाषी सबटाइटल्स और अनुवाद उपलब्ध कराता है।

क्लाइमेट नैरेटिव हब की नई पहल

मुंबइ। क्लाइमेट नैरेटिव हब (सीएन२एच), जो दसरा और मोमेंटम शिफ्ट्स की पहल है और रेनमैटर फाउंडेशन के सहयोग से संचालित है, ने पत्रकारों और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए एक नई गाइड जारी की है। यह गाइड उन लोगों के लिए है जो मानव-वन्यजीव से जुड़ी कहानियों को कवर करते हैं। आमतौर पर ऐसी रिपोर्टिंग में मृत्यु या हमलों जैसे संघर्ष के पहलुओं पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है, लेकिन यह गाइड बताती है कि ऐसा नजरिया अक्सर यह समझने में कमी छोड़ देता है कि इंसान और वन्यजीव एक ही स्थान पर कैसे साथ रहते हैं।

नेटवर्क फॉर कंजर्विंग सेंट्रल इंडिया, वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसाइटीझइंडिया, को-एक्सिस्टेंस कंसोर्टियम, द कॉर्बेट फाउंडेशन, विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी और द नेचर कंजर्वेंसीझइंडिया सहित कई संगठनों, पत्रकारों और संपादकों के साथ मिलकर तैयार की गई यह गाइड रिपोर्टर्स को अपनी कहानी कहने के तरीके को और व्यापक बनाने के लिए प्रेरित करती है। इसमें बढ़ते मानवझवन्यजीव संघर्ष के पीछे के कारणों को समझने पर जोर दिया गया है।

गाइड के मुताबिक, सिर्फ यह बताना कि कोई जानवर गांव या शहर में आ गया, काफी नहीं है। रिपोर्टर्स को यह सवाल भी उठाना चाहिए कि वह वहां क्यों आया? क्या आवास हानि, निर्माण कार्य, जलवायु परिवर्तन या आहार की उपलब्धता में बदलाव इसके पीछे कारण हैं? यह संसाधन सह-अस्तित्व के पहलुओं को भी शामिल करने के लिए प्रेरित करता है, जैसे कि समुदाय अपने व्यवहार में कैसे बदलाव लाते हैं, अपनी गलतियों से क्या सीखते हैं, और वन्यजीव के साथ रहते हुए जोखिम को कम करने के लिए कौन-सी रणनीतियां अपनाते हैं।

अन्य तीर्थ स्थलों की तरह अदलपुरा की शीतला धाम में भी कॉरिडोर बनाने की माँग

मिजार्पुर जिले के अदलपुरा में स्थित प्राचीन शीतला माता मंदिर देश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है। इस मंदिर के पीछे मान्यता यह है कि यहाँ माँगी गई सभी मुरादें माँ शीतला पूरी करती हैं। मार्च-अप्रैल में यहाँ लगने वाले चैत मेले में माँ के दर्शन करने के लिए देश के विभिन्न भागों से लोग आते हैं।

श्रद्धालुओं की माता शीतला माँ के प्रति बड़ी गहरी आस्था है।हालाँकि पूरे नवरात्रि के दौरान यहाँ बहुत श्रद्धालु आते हैं और अष्टमी व नवमी के दिन भक्तों की संख्या कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है।

सबसे ज्यादा भीड़ चैत मेले में सोमवार और रविवार को होती है। इन दिनों डेढ़ से दो लाख लोग यहाँ दर्शन करने आते हैं। इस मौके पर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी न आए, इसका प्रशासन की ओर से विशेष ध्यान रखा जाता है। साल में यहाँ दो बार मेला लगता है। चैत के अलावा सावन माह में भी यहाँ मेले लगते हैं। इस पवित्र स्थान पर लोग अपने बच्चों का मुंडन कराने भी दूर-दूर से आते हैं। इसी तरह लोग अपने बच्चों की शादी की मन्नत भी यहाँ माँगते हैं। देवी शीतला माता की आराधना करने से पूरे परिवार की एकता बनी रहती है। श्रद्धालुओं को माता शीतला के प्रति बड़ी आस्था है।आज इसी शीतला धाम की दशा ठीक नहीं है। शीतला माता धाम का दर्शन करने गए शहंशापुर गाँव के निवासी डॉक्टर अरुण राय और उनके बड़े भाई कृष्ण कुमार राय गंगा मां के तट पर चारों तरफ जमा गंदगी के ढेर को देख कर बेहद दुखी हुए। कभी मंदिर से 100 मीटर की दूरी पर गंगा बहती थी आज मंदिर से 500 मीटर दूर गंगा नदी चली गई हैं। आज चारों तरफ सिर्फ बालू के ढेर और उनके ऊपर जमा गंदगी ही दिखाई दे रही है। सरकार नमामि गंगे योजना के तहत होने वाली स्वच्छता अभियान यहां नदारद है। डॉक्टर राय ने सरकार से अपील की है कि जिस तरह से गंगा नदी के किनारे स्थित हरिद्वार, बनारस, प्रयागराज, मां विंध्यवासिनी मंदिर आदि तीर्थ स्थलों में कॉरिडोर का निर्माण हुआ है उसी तरह से गंगा नदी के किनारे स्थित अदलपुरा की शीतला माता के धाम में कॉरिडोर बनाया जाए। -मनोज राय

मोदी सरकार के 12 वर्ष : विकास, सुशासन और आत्मनिर्भर भारत की ऐतिहासिक यात्रा : एड . प्रणीत

वसई-विरार। वसई-विरार जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष एड प्रणीत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 12 वर्षों का ऐसा सफल कार्यकाल पूरा किया है, जिसने भारत की विकास यात्रा को नई गति, नई दिशा और नई पहचान प्रदान की है। वर्ष 2014 में जब मोदी सरकार ने सत्ता संभाली थी, तब देश अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन आज भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है और विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

एड प्रणीत ने बताया कि मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि देश के आम नागरिक को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना रही है। जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों के बैंक खाते खोले गए, जिससे वित्तीय समावेशन को मजबूती मिली। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) के जरिए सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचा और भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ।

उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाएं क्रांतिकारी साबित हुई हैं। इन पहलों ने युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनने की प्रेरणा दी है। आज भारत दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल हो चुका है और लाखों युवा नवाचार तथा उद्यमिता के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं।

शिक्षा क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को ऐतिहासिक सुधार बताते हुए उन्होंने कहा कि इस नीति ने शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, लचीला और कौशल आधारित बनाया है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से शिक्षा की पहुंच गांव-गांव तक बढ़ी है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उज्ज्वला योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान तथा महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन जैसी योजनाओं ने सामाजिक परिवर्तन को गति दी है। आज महिलाएं आर्थिक और सामाजिक दोनों क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं।

किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना और कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने वाले कदमों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। करोड़ों किसानों को सीधे आर्थिक सहायता का लाभ मिला है। एड प्रणीत ने कहा कि देश की आधारभूत संरचना में अभूतपूर्व निवेश किया गया है। नए एक्सप्रेसवे, राजमार्ग, रेलवे कॉरिडोर, एयरपोर्ट, मेट्रो परियोजनाएं और बंदरगाह भारत की विकास गाथा को नई पहचान दे रहे हैं। आज भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर वैश्विक स्तर पर तेजी से उभर रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी भारत ने मजबूत और निर्णायक नेतृत्व का परिचय दिया है। सेना के आधुनिकीकरण, रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता और आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति ने देश की सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान की है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली बनी है। जी-20 की सफल अध्यक्षता और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पहलों में भारत की सक्रिय भूमिका इसका प्रमाण है।

अंत में एड प्रणीत ने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष केवल योजनाओं और परियोजनाओं की कहानी नहीं हैं, बल्कि यह भारत को आत्मनिर्भर, विकसित और विश्वगुरु बनाने के संकल्प की यात्रा है। विकसित भारत 2047 का लक्ष्य इसी मजबूत नींव पर आगे बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

ब्रिटेन में पाकिस्तानी गैंग ने 1400 बच्चियों का किया यौन शोषण

ब्रिटेन। ब्रिटेन में वर्षों से विवाद का विषय रहे ₹गूमिंग गैंग्स₹ मामले ने एक बार फिर राष्ट्रीय बहस को जन्म दे दिया है। स्वतंत्र सांसद फ्ॐस्त्री१३ छ्ड्ड्धी ने ब्रिटिश संसद में कई पीड़िताओं की गवाहियां पढ़ते हुए दावा किया कि संगठित बाल यौन शोषण के मामलों में गंभीर संस्थागत विफलताएं हुईं और अनेक पीड़ितों को समय पर न्याय नहीं मिला। लोव ने कहा कि उनकी स्वतंत्र जांच के दौरान सामने आए बयान बेहद भयावह हैं। पीड़िताओं ने कथित तौर पर लंबे समय तक यौन शोषण, धमकियों, हिंसा और अधिकारियों की उदासीनता का सामना करने की बात कही। सांसद ने संसद से इन गवाहियों को गंभीरता से सुनने और दोषियों को जवाबदेह ठहराने की अपील की।

एक पीड़िता ने बताया कि जब वह 12 साल की थी तो एक अपराधी ने जबरन शराब की बोतल उसके शरीर में डाल दी और शीशा तोड़ दिया। अन्य गवाही में महिला ने दावा किया कि दुर्व्यवहार के दौरान देश के कई पुलिस अधिकारी भी उसके साथ बलात्कार में शामिल रहे। 13 वर्षीय अन्य पीड़िता ने बताया कि तीन साल के दौरान करीब 600-700 अलग-अलग पुरुषों से उसका बलात्कार करवाया गया। एक अन्य लड़की ने 15 साल की उम्र का जिक्र करते हुए कहा कि मेरी योनि और गुदा दोनों से रेप हुआ। इसके अलावा कुछ गवाहियों में पशुता की हद पार करने वाले जघन्य कृत्यों का भी जिक्र है। एक पीड़िता ने बताया कि उसे वैन में कुत्तों के पिंजरों में बंद 15-20 लड़कियों के साथ देखा गया। दूसरी ने बताया कि कुत्तों को लाकर उसके साथ बलात्कार करवाया गया, जबकि गैंग के बाकी लोग शर्त लगा रहे थे, वीडियो बना रहे थे, हंस रहे थे। रिपोर्टों के अनुसार, कुछ पीड़िताओं ने दावा किया कि उनका शोषण किशोरावस्था में शुरू हुआ और कई वर्षों तक चलता रहा। गवाहियों में अस्पतालों, सामाजिक सेवाओं और पुलिस की कथित विफलताओं का भी उल्लेख किया गया है। कई गवाहियों में नस्लीय पक्ष भी उभरकर आया। अपराधी श्वेत और ईसाई लड़कियों को 'कम नैतिक मूल्यों वाली' मानते थे, जबकि मुस्लिम लड़कियों को उच्च नैतिकता वाला बताते थे। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि इन गिरोहों में मुख्य रूप से पाकिस्तानी मूल के पुरुष शामिल हैं, जो दशकों से सक्रिय हैं। रिपोर्ट में सार्वजनिक निकायों और पुलिस की 'घोर लापरवाही' और 'संस्थागत विफलता' की भी कड़ी आलोचना की गई है। बता दें कि यह मुद्दा सबसे पहले यॉर्कशायर के रोदरहम शहर में सामने आया था।